वर्ष : 17 | अंक : 130 | मूल्य : 02 रुपया मात्र | पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 27 फरवरी 2026

भारत-इजराइल दोस्ती से दुनिया चकित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और इजराइल के बीच बढ़ती नजदीकियों और अटूट विश्वास की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने दुनिया भर के देशों को चकित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इजराइल यात्रा इस बात का प्रमाण है कि दोनों देश न केवल व्यापारिक साझेदार हैं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव और पारस्परिक भरोसे के आधार पर भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

हवाई अड्डे पर विशेष स्वागत : यात्रा के पहले दिन बुधवार को तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ स्वयं उपस्थित रहे। यह एक दुर्लभ सम्मान माना जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को 'मेरा दोस्त' कहकर गले लगाया, जिसे वैश्विक मीडिया ने 'मोदी हग' का नाम दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के दो दिवसीय दौरे पर इजराइल पहुंचने पर उन्हें विशेष गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत "एक खास और दिल को छू लेने वाले अंदाज" में किया गया। नौ वर्षों में यह उनका इजराइल का दूसरा दौरा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, "मैं अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।" उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह यात्रा और द्विपक्षीय वार्ता भारत-इजराइल मित्रता को और सशक्त बनाएगी।

संसद में भव्य सम्मान : प्रधानमंत्री जब इजराइल की संसद नेस्सेट पहुंचे तो वहां का दृश्य ऐतिहासिक रहा। सदन के सदस्यों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। संबोधन के दौरान 'मोदी-मोदी' के नारों से सदन गूंज उठा। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को विश्व का एक महान नेता बताते हुए कहा कि भारत और इजराइल की दोस्ती 'स्वर्ग में बनी जोड़ी' जैसी है।

संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यरुशलम में इजराइल की संसद नेस्सेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। संसद पहुंचने पर स्पीकर आमिर ओहाना ने उनका औपचारिक स्वागत किया। सत्र की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, विपक्ष के नेता यायर लापिड और स्पीकर ओहाना ने भारत-इजराइल संबंधों के प्रति मजबूत द्विदलीय समर्थन व्यक्त किया। संबोधन के बाद आमिर ओहाना ने उन्हें 'क्रेसेट मेडल' से सम्मानित किया, जिसे प्रधानमंत्री ने भारत-इजराइल मित्रता को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस विशेष सम्मान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि भारत और इजराइल के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंधों के साथ-साथ आधुनिक रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत है।

प्रधानमंत्री का अप्रत्याशित स्वागत

आतंकवाद पर सख्त रुख

प्रधानमंत्री ने 7 अक्टूबर के आतंकी हमले पर संवेदना व्यक्त करते हुए आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराई। उन्होंने कहा कि ऐसी क्रूरता का कोई औचित्य नहीं हो सकता। भारत ने क्षेत्र में स्थायी शांति के प्रयासों, संयुक्त राष्ट्र समर्थित गाजा शांति पहल और आईएमईसी व आई2यू2 जैसे मंचों पर सहयोग को और प्रगाढ़ करने का आह्वान किया।

व्यापार, नवाचार और संसदीय सहयोग : प्रधानमंत्री ने भारत की विकास गाथा का उल्लेख करते हुए व्यापार, निवेश, हरित विकास, स्टार्ट-अप और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया। द्विपक्षीय निवेश संधि के समापन पर संतोष जताते हुए उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने की बात कही।

राष्ट्रपति से मुलाकात : प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने विशेष भारत-इजरायल साझेदारी को मजबूत करने में राष्ट्रपति हर्जोग के दृढ़ समर्थन के लिए उनको धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने शिक्षा, स्टार्ट-अप, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाने के रास्ते तलाशे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक पेड मां के नाम' पहल के तहत राष्ट्रपति उद्यान में एक पेड़ लगाया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति हर्जोग को निकट भविष्य में भारत की यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया। वहीं राष्ट्रपति हर्जोग ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि भारत और इज़राइल की जनता साथ मिलकर अधिक सशक्त है।

नरसंहार पीड़ितों को श्रद्धांजलि : इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 'वल्ड होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस सेंटर' याद वाशेम का दौरा किया। याद वाशेम की प्रधानमंत्री की यह दूसरी यात्रा रही। प्रधानमंत्री ने नरसंहार के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने बुक ऑफ नेम्स हॉल का भी दौरा किया, जो जनसंहार के दौरान मारे गए लाखों लोगों की स्मृति को संरक्षित करने वाली एक श्रद्धांजलि है। उल्लेखनीय है कि इजराइल रणनीतिक और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग है। यह संबंध पारस्परिक विश्वास, साझा प्राथमिकताओं और भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों में निरंतर बढ़ते सहयोग पर आधारित है।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी अपने भारत दौरे पर मुंबई पहुंचेंगे, दिल्ली में होगी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 26 फरवरी से 7 मार्च तक भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान का दौरा करेंगे। अपने भारत दौरे में वे सबसे पहले मुंबई पहुंचेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भारत दौरे में सबसे पहले मुंबई पहुंचेंगे। कार्नी के ओटावा कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि वे 2 मार्च को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे जिसमें व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), प्रतिभा और संस्कृति तथा रक्षा क्षेत्रों में नई साझेदारियों पर चर्चा होगी। यह यात्रा कनाडा और भारत के बीच व्यापार, तकनीक, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में नई साझेदारियों की दिशा में बड़ा कदम है। कार्नी के भारत का दौरा शुरू करने से ठीक पहले कनाडा की तरफ से कहा गया है कि कनाडा में हिंसक अपराधों से भारत का अब कोई रोल नहीं है। टोरंटो स्टार की एक खबर के मुताबिक कनाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह बयान प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दिया। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने ओटावा और नई दिल्ली संबंधों को लेकर कहा कि हमारे बीच बहुत मजबूत राजनयिक जुड़ाव है और हम आश्वस्त हैं कि वह गतिविधि अब जारी नहीं है। गौरतलब है कि साल 2023 में भारत-कनाडा संबंध उस समय काफी बिगड़ गए थे जब कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जून 2023 में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय सरकारी एजेंट के शामिल होने का आरोप लगाया था जिसे भारत ने सिरे से खारिज करते हुए इसे बेतुका बताया। यह खटास इतनी बढ़ी कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी, राजनयिक संबंधों को कमजोर किया और एक-दूसरे के कई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। अक्टूबर 2023 में भारत ने ओटावा में अपने राजदूत संजय वर्मा और पांच अन्य अधिकारियों को वापस बुला लिया। यह तब हुआ जब कनाडा के अधिकारियों ने निज्जर की हत्या के संबंध में उनसे पूछताछ की कोशिश की।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी "लाइफस्टाइल डिसऑर्डर" है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं। कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को "लाइफस्टाइल डिसऑर्डर" कहना कानूनन सही नहीं।

वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर लोक सभा अध्यक्ष समेत केंद्रीय मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। महान क्रांतिकारी एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रियों और राज्यों के नेताओं ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अद्वितीय योद्धा बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर को भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में अपना सर्वस्व अर्पित करने वाला महान क्रांतिकारी बताते हुए नमन किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सावरकर आजादी के आंदोलन के उन नायकों में थे जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत से राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाधीनता के लिए भी संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि सावरकर ने अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक आधार प्रदान किया और देश से लेकर इंग्लैंड तक अपने साहसिक अभियानों से युवाओं को प्रेरित किया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें प्रखर राष्ट्रप्रेम और अतुलनीय प्रतिभा का अद्वितीय संगम बताते हुए स्मृतिदिन पर विनम्र अभिवादन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सावरकर के अदम्य साहस, अद्वितीय त्याग और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गौरवपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि उनके ओजस्वी विचार आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरित करते हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सावरकर को त्याग, तप और तर्क की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिकल्पना आज भी राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध और आत्मगौरव की प्रेरणा देती है।

बीसीडी चुनाव की गिनती टाली गई, 26 फरवरी की जगह अब 7 मार्च से शुरू होगी

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली (बीसीडी) के लिए डाले गए वोटों की गणना अब 7 मार्च से होगी। पहले मतगणना शुक्रवार से शुरु होनी थी। निर्वाचन अधिकारी सेवानिवृत जस्टिस तलवंत सिंह ने आज इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 221 उम्मीदवारों की वजह से बैलट पेपर का साइज काफी बड़ा है। इस वजह से पहले से आवंटित स्थान पर मतगणना करवाने में काफी मुश्किल होगी। पहले उच्च न्यायालय के एक्सटेंशन ब्लॉक में मतगणना का स्थान तय किया गया था। नोटिफिकेशन के मुताबिक निर्वाचन अधिकारी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय से मतगणना के लिए बड़ी जगह उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। उसके बाद चीफ जस्टिस ने दिल्ली उच्च न्यायालय के एस ब्लॉक लाऊंज की जगह देने की अनुमति दे दी।

अब एस ब्लॉक के सातवीं मंजिल पर मतगणना होगी और छठी मंजिल पर उम्मीदवार या उनके मतगणना एजेंट स्क्रीन पर मतगणना की कार्यवाही देख सकेंगे। बीसीडी का तीन दिवसीय चुनाव 23 फरवरी को समाप्त हुआ था। इस चुनाव में करीब 57 हजार से ज्यादा वकीलों ने अपना मतदान किया। मतदान के दौरान निर्वाचन अधिकारी ने 79 उम्मीदवारों को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में निलंबित कर दिया था। बाद में इन 79 उम्मीदवारों ने अपील दायर की, जिसे मंजूर करते हुए उनका निलंबन वापस लिया गया।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को कंटेंट और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी : वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को उनके द्वारा होस्ट किए जाने वाले कंटेंट की जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि बच्चों और सभी नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करना अब प्लेटफॉर्म्स का दायित्व है। मंत्री वैष्णव ने गुरुवार को यहां डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) के कॉन्क्लेव में अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि प्लेटफॉर्म्स को "जागने" और समाज की बुनियादी जरूरतों का सम्मान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट की प्रकृति

अब पूरी तरह बदल चुकी है और अब प्लेटफॉर्म्स केवल माध्यम नहीं, बल्कि प्रभावशाली मीडिया संस्थान बन चुके हैं। उन्होंने कहा, "प्लेटफॉर्म्स को अपने यहां होस्ट किए जा रहे कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और सभी नागरिकों की सुरक्षा प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी है।" मंत्री ने आगाह किया कि यदि इन सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया तो प्लेटफॉर्म्स को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पहले के समय में प्लेटफॉर्म्स खुद को केवल इंटरमीडियरी बताते थे, लेकिन अब वे व्यापक प्रभाव वाले कंटेंट होस्ट बन चुके हैं। वैष्णव ने समाज में 'विश्वास' को सबसे महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि मानव सभ्यता की समूची संरचना विभिन्न संस्थाओं, जैसे- न्यायपालिका, विधायिका, मीडिया और सामाजिक व्यवस्थाओं पर आधारित विश्वास पर टिकी है, लेकिन डीपफेक, दुष्प्रचार और कृत्रिम रूप से तैयार की गई भ्रामक सामग्रियों ने इस विश्वास को गंभीर चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि किसी प्रतिष्ठित समाचार एंकर या उद्योग जगत के नेता का बिना सहमति एआई-जनित वीडियो बनाकर किसी उत्पाद या निवेश योजना का प्रचार करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट किया, "किसी भी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या व्यक्तित्व का उपयोग कर कृत्रिम सामग्री बनाने से पहले उसकी सहमति अनिवार्य होनी चाहिए।

लोकतंत्र में सवाल पूछना, अपनी बात रखना नागरिकों का अधिकारः राहुल

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शनों के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सरकार आलोचना सुनती है और जवाब देती है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां सवाल पूछना लोकतंत्र का हिस्सा है। लोकतंत्र में सवाल पूछना और अपनी बात रखना नागरिकों का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को सुने और उसका जवाब दे।उन्होंने कहा कि आज देश में शांतिपूर्ण विरोध को अपराध की तरह देखा जा रहा है। विभिन्न मुद्दों पर आवाज उठाने वाले युवाओं, महिला खिलाड़ियों, किसानों और अन्य लोगों को कार्रवाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि असहमति को देशविरोध से जोड़कर देखा जा रहा है।राहुल ने कहा कि कई मौकों पर युवा, महिला खिलाड़ियों, किसानों, आदिवासियों एवं अन्य समूहों ने अपने अधिकारों और मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाई, लेकिन उनकी मांगों पर संवाद के बजाय कार्रवाई देखने को मिली।उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 16-21 फरवरी तक आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन के मामले में कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली। उद्योगपति एवं रिलायंस समूह के चेयरमैन 66 वर्षीय अनिल अंबानी कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। अनिल अंबानी सुबह करीब साढ़े 10 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। ईडी ने उन्हें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत एक जांच के सिलसिले में नई दिल्ली स्थित अपने हेडक्वार्टर में आज पेश होने के लिए बुलाया था। इससे पहले उनसे अगस्त, 2025 में पूछताछ की गई थी। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि अनिल अंबानी का बयान धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए),

2002 के प्रावधानों के तहत दर्ज किया जाएगा। यह जांच उनकी समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) में कथित रूप से 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। अंबानी और उनके समूह की विभिन्न कंपनियों पर ऋण धोखाधड़ी के आरोप हैं। ईडी ने हाल ही में इन सभी मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद किया गया।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

स्मार्टफोन ने याददाश्त छीनी एआई कल्पना शक्ति छीन लेगी?

भारत से लेकर दुनिया के सभी देशों में इस समय एआई की धूम मची हुई है। हर वर्ग का व्यक्ति छोटा हो या बड़ा इसी तकनीकी की बात कर रहा है। सबको ऐसा लग रहा है, यदि यह तकनीकी हमारे पास नहीं आई तो शायद हम अपना सब कुछ खो देंगे। भारत में हाल ही में एआई समिट हुआ है। जिसमें दुनिया भर के देशों से एआई की आईटी कंपनियों ने बड़े-बड़े दावे किए हैं। ऐसा लग रहा है, जल्द ही स्वर्ग धरती पर उतर आएगा। एआई तकनीकी आने के बाद जो खतरे आने वाले हैं, उसको लेकर कोई भी चर्चा नहीं हो रही है। दिल्ली में हुए समिट के दौरान कहा गया, इस तकनीकी से कारोबार आसान हो जाएगा। खेती बहुत बढ़िया हो जाएगी। एआई तकनीकी से इलाज होगा। इसे एआई क्रांति का नाम दिया जा रहा है। यह क्रांति आएगी, उसके बाद आदमी को कुछ नहीं करना पड़ेगा। इसे एक बड़ी औद्योगिक क्रांति के रूप में देखा जा रहा है। धरती में सभी को सब कुछ बैठे-बैठे मिल जाएगा।

इस तरह की बातें कही जा रही हैं। एआई तकनीकी के दुष्प्रभाव को लेकर युवल नोआ हरारी ने अपनी किताब नेक्सस में एआई के खतरों से आगाह किया है। उन्होंने दावा किया है, पहली बार मनुष्य सभ्यता के सामने एक ऐसी मशीनी दुनिया खड़ी होने जा रही है जो मनुष्य से अधिक बुद्धिशील और पराक्रमी साबित होगी। इसका इस्तेमाल बहुत खतरनाक भी हो सकता है। एआई तकनीकी आने के बाद जिस तेजी के साथ मशीनें अपने आप को अपग्रेड कर लेती हैं। एक मशीन सैकड़ो और हजारों लोगों की क्षमताओं का काम अकेली कर सकती है। एआई सभी सूचनाओं, संवेदनाओं, कृत्रिम बादल और बरसात, कविता, उपन्यास, काल्पनिक कहानियां, टीवी सीरियल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्य, खेती से लेकर समुद्र तक इसकी पहुंच होगी। जिस तरीके के उपकरण एआई तकनीकी के माध्यम से बनाए जा रहे हैं, उसके कारण सबसे बड़ा खतरा बेरोजगारी का है। मशीनों पर आश्रित होकर हम अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता को ही खो देंगे। इस तरह की बात सामने आने लगी है। एआई तकनीकी अब समाज के हर उसे क्षेत्र में घुसने के लिए तैयार खड़ी है, जहां पर अभी केवल मानव अस्तित्व ही काम करता था।

अब जिस तरह के रोबोट बनाए जा रहे हैं, वह मानवों की तरह संवेदनशील और मानवों की तरह ही, वह सब कुछ कर सकते हैं, जो अभी तक मानव करते आए हैं। इस बात का भी खतरा उत्पन्न हो गया है, जो रोबोट बनाये जा रहे हैं। उसके बाद सेक्स और बच्चा पैदा करने का काम भी यही रोबोट करने लगेंगे। यह रोबोट मानवीय सभ्यता से ज्यादा संवेदनशील होंगे, एक दूसरे को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। कुछ समय पहले स्मार्टफोन आया था। इस स्मार्टफोन ने लोगों की याददाश्त छीन ली। अब हर काम के लिए स्मार्टफोन की जरूरत होती है। कुछ याद नहीं रहता है, यदि स्मार्टफोन ना हो तो हम अपने परिजनों के मोबाइल नंबर और ईमेल अकाउंट का उपयोग भी नहीं कर पाते हैं। जब एआई का अस्तित्व अपने पूरे सवाब में आएगा, तब मनुष्य प्रजाति की कल्पना शक्ति और शारीरिक क्षमता सीमित करने का काम एआई क्रांति कर देगी। कहा जाता है, तकनीकी से डरने की जरूरत नहीं है। तकनीकी जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग में आती है। जिस तरह से सारे विश्व में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़े तक स्मार्टफोन के नशे का शिकार होकर अपनी सुध-बुध खो चुके हैं। एआई क्रांति के माध्यम से जिस तरह से हम संपूर्ण जीवन को मशीनों के ऊपर आश्रित करते चले जा रहे है। ऐसी स्थिति में ना तो हम शारीरिक श्रम कर पाएंगे और ना ही हम मानसिक श्रम कर पाएंगे। इस स्थिति में भविष्य का क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। तकनीकी का स्वागत किया जाना चाहिए, पर हमारे जीवन में तकनीकी का उतना ही प्रवेश होना चाहिए, जो हमारी सहायता और विकास को आगे बढ़ाने के लिए काम करे। जब करोड़ों लोगों का काम कुछ लाख मशीनें करने लगेंगी।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

रेल मंत्री वैष्णव ने रेल टेक पॉलिसी और एआई आधारित ई-आरसीटी की शुरुआत की

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में दो बड़े सुधारों की घोषणा की। इनमें रेल टेक पॉलिसी के तहत समर्पित रेल टेक पोर्टल का शुभारंभ और पूर्णतः एआई आधारित डिजिटल रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल (आरसीटी) प्रणाली की शुरुआत शामिल है। वैष्णव ने यहां रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रेल टेक पॉलिसी का उद्देश्य स्टार्टअप्स, नवोन्मेषकों, उद्योगों और शोध संस्थानों को रेलवे से एक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से जोड़ना है। उन्होंने कहा, "स्टार्टअप्स और शोधकर्ता रेलवे से सीधे जुड़ सकें, इसी लक्ष्य के साथ यह नीति शुरू की गई है। कोई बाधा नहीं होगी, पूरी प्रक्रिया एंड-टू-एंड डिजिटल होगी और आज से रेल टेक पोर्टल

शुरू किया जा रहा है। हमारा पूरा फोकस नई तकनीकों को आजमाने पर है। उन्होंने देशभर के स्टार्टअप्स और तकनीकी समाधान विकसित करने वाले नवप्रवर्तकों से अपील करते हुए कहा कि वे रेल टेक पोर्टल से जुड़ें। यह पोर्टल समस्याओं के डिजिटल समाधान स्वीकार करने का मंच होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब विज्ञान और नवाचार बड़े पैमाने से जुड़ते हैं और तकनीक परिवर्तन को गति देती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है। रेल टेक पॉलिसी के तहत प्रस्तावों की स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब नवोन्मेषक एक ही चरण में विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रोटोटाइप विकास और परीक्षण के लिए अधिकतम अनुदान राशि को दोगुना कर दिया गया है, जबकि स्केल-अप अनुदान को तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया है। यह प्रक्रिया उपयोगकर्ता अनुकूल होगी, जिससे व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। वैष्णव ने बताया कि इस नीति को तैयार करते समय रक्षा, धातुकर्म, दूरसंचार और जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की स्टार्टअप नीतियों का अध्ययन किया गया। रक्षा क्षेत्र की आईडेक्स जैसी पहलों और अन्य क्षेत्रों की सफल नीतियों से सीख लेकर रेलवे ने एक सरल और बाधारहित नीति तैयार की है।

ख़ास ख़बर

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक भ्रष्टाचार संबंधी एनसीईआरटी की किताब पर लगाई रोक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का एक अध्याय वाली किताब पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले में गहरी साजिश रची गई है। इस साजिश के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने स्कूल, शिक्षा विभाग और एनसीईआरटी के डायरेक्टर डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी को कोर्ट की अवमानना का नोटिस जारी किया। कोर्ट ने नोटिस जारी कर पूछा कि ये बताएं कि कक्षा 8 के इस अध्याय के लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने एनसीईआरटी और केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो ये सुनिश्चित करें कि इस किताब की सभी प्रतियों को हर जगह हटाया जाए ताकि वो आम लोगों तक नहीं पहुंच सके। कोर्ट ने एनसीईआरटी और केंद्र सरकार को इस आदेश की अनुपालन संबंधी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस किताब का ऑनलाइन या फिजिकल किसी भी तरह से प्रचार-प्रसार करना कोर्ट के आदेश की अवमानना माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की किताब एक सोची समझी साजिश के तहत न्यायपालिका को बदनाम करने की नीयत से प्रकाशित की गई है। वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने 25 फरवरी को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले को मेंशन करते हुए चिंता जताई थी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

आरएमएल अस्पताल में नौकरी दिलवाने के नाम पर चार लोगों से ठगी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर चार लोगों से ठगी का मामला सामने आया है। जीटीबी एंक्लेव इलाके में रहने वाली भावना नामक महिला ने तीन बहनों समेत चार लोगों से ठगी कर ली। भावना ने बकायदा नियुक्ति पत्र और आई कार्ड भी दिए। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि नियुक्ति पत्र और आई कार्ड दोनों ही फर्जी हैं। पीड़ितों ने भावना से अपने पैसे मांगे। वह कभी जल्द नौकरी लगवाने व कभी पैसे वापस करने की बात करने लगी। बाद में उसने पैसे देने से साफ मना कर दिया। परेशान होकर पीड़ितों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। नंद नगरी थाना पुलिस ने छानबीन के बाद 20 फरवरी को इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया। अब पुलिस भावना की तलाश कर रही है। पुलिस ने फर्जी नियुक्ति पत्र और आई कार्ड भी कब्जे में लिए हैं। पुलिस टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता हनी (29) परिवार के साथ नंद नगरी के सुंदर नगरी में रहती हैं। पीड़िता ने बताया कि करीब पाच साल पहले उनकी मुलाकात जीटीबी एंक्लेव में रहने वाली भावना से हुई। जान-पहचान ठीक-ठाक हुई तो दोनों ने एक-दूसरे से खूब मिलना शुरू कर दिया। भावना ने आरएमएल में नौकरी लगवाने की बात की। भावना का कहना था कि वह खुद आरएमएल में नौकरी करती है, उसकी पहचान है। वह चार-पांच लोगों की अपनी पहचान से नौकरी लगवा देगी। हनी ने अपनी व बहन ममता, रीना और जीजा सोनू की नौकरी लगवाने की बात की। भावना ने कुछ पैसे खर्च होने की बात की। इसके बाद चारों से 45-45 हजार रुपये ले लिए। बाद में पीड़ितों को पता चला कि उनके साथ ठगी की गई है। उन्होंने भावना से अपने पैसे वापस मांगे। इस बात पर वह आना-कानी करने लगे। परेशान होकर पीड़ितों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन के बाद मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा मामले में सीबीआई और एसआईटी से मांगी चार्जशीट

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मणिपुर हिंसा मामले की सुनवाई करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और राज्य विशेष जांच दल (एसआईटी) को पीड़ितों और उनके परिवारों को चार्जशीट की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सीबीआई जांच की निगरानी कर रहे महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी दत्तात्रेय पदसालगिकर की ओर से दाखिल ताजा स्टेटस रिपोर्ट पर गौर करने के बाद ये आदेश दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई ने मणिपुर हिंसा के 20 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है और छह मामलों की जांच अभी जारी है। कोर्ट ने 13 फरवरी को सीबीआई से जांच की स्टेटस रिपोर्ट तलब की थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सुझाव दिया था कि अब मणिपुर या गुवाहाटी उच्च न्यायालय इन मामलों की निगरानी करें। कोर्ट ने कहा था कि अब मणिपुर उच्च न्यायालय में नये चीफ जस्टिस आ गए हैं, इसलिए वे स्थानीय हालात को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि वो पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बनी जस्टिस गीता मित्तल कमेटी की सिफारिशें जल्द लागू करे। उच्चतम न्यायालय ने जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता में बनी कमेटी पीड़ितों के पुनर्वास और उनके कल्याण के लिए बनाई थी। इस कमेटी में जस्टिस गीता मित्तल के अलावा जस्टिस शालिनी जोशी और जस्टिस आशा मेनन को शामिल किया था। कोर्ट ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी दत्तात्रेय पदसालगिकर को नियुक्त किया था। मणिपुर में मई, 2023 में शुरु हुई हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। इस हिंसा में हजारों लोग बेघर हुए और कई घायल हो गए। यह हिंसा तब भड़की जब मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था।

होली के अवसर पर दिल्ली क्षेत्र में पार्सल यातायात पर अस्थायी प्रतिबंध

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि आगामी होली पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तथा आनन्द विहार (ट.) रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों में सभी प्रकार की पार्सल बुकिंग (आउटवर्ड लीज्ड एसएलआर/आउटवर्ड रेलवे पार्सल बुकिंग सहित) पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया जाता है। यह प्रतिबंध दिनांक 01.03.2026 से 03.03.2026 तक प्रभावी रहेगा। यह प्रतिबंध निम्नलिखित प्लेटफार्मों से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों पर लागू होगाः नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 6/7, 8/9 एवं 14/15 आनन्द विहार (ट.) के प्लेटफार्म संख्या 2/3 साथ ही अन्य मण्डलों से चलकर इन प्लेटफार्मों पर लोडिंग/अनलोडिंग के लिए रुकने वाली गुजरने वाली ट्रेनों पर भी उक्त अवधि में प्रतिबंध लागू रहेगा। यात्रियों का व्यक्तिगत सामान केवल यात्री डिब्बों में ले जाने की अनुमति होगी। पंजीकृत समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं की बुकिंग सार्वजनिक सुरक्षा का समुचित ध्यान रखते हुए ही की जाएगी।

एनएमडीसी-आईआईटी हैदराबाद में करार, खनन अनुसंधान और खोज को मिलेगी दिशा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जिम्मेवार खनिक एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने भारत के खनिज और धातु क्षेत्र के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में हैदराबाद के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी कि खनिज प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक (आरएंडडी) संजीव साही और आईआईटी हैदराबाद के डीन (प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श) ने आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी. एस. मूर्ति की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य खनन और धातुकर्म क्षेत्र में नवाचार, स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास और टिकाऊ औद्योगिक समाधान को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के अनुसार यह साझेदारी फील्ड की विशेषज्ञता और अकादमिक उत्कृष्टता के बीच एक मजबूत सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है।

खनन अनुसंधान में नए आयामःइस सहयोग के तहत दोनों संस्थान लौह अयस्क बेनीफिशिएशन और एग्लोमेरेशन, हरित इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकियों, स्वदेशी कच्चे माल पर आधारित वैकल्पिक लौह निर्माण और खनन-धातुकर्म प्रक्रियाओं के उन्नत मॉडलिंग एवं सिमुलेशन में अनुसंधान को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों से महत्वपूर्ण और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के उत्खनन में भी नए रास्ते विकसित किए जाएंगे, जिससे देश की खनिज सुरक्षा और संसाधन उपलब्धता मजबूत होगी।

डिजिटल माइनिंग और उन्नत तकनीक पर फोकसःएमओयू के तहत स्वायत्त वाहन संचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), माइनिंग 4.0 फ्रेमवर्क और ड्रोन आधारित सर्वेक्षण व निगरानी जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और पायलट परियोजनाएं संचालित की जाएंगी। यह पहल परिचालन दक्षता, उत्पादकता और पर्यावरण प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करेगी।

एनएमडीसी की नवाचार प्रतिबद्धताःएनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि आईआईटी हैदराबाद के साथ यह उद्योग-अकादमिक गठजोड़ नवाचार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान की अनुसंधान क्षमता और एनएमडीसी की डोमेन विशेषज्ञता मिलकर खनन और खनिज प्रसंस्करण में स्वदेशी तकनीकों के विकास को गति देगी, जो सतत विकास और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान देगा।

आत्मनिर्भर भारत और तकनीकी विरासत को बलःयह साझेदारी नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने और अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोगों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। साथ ही यह सहयोग उस समय हुआ है जब एनएमडीसी का अनुसंधान एवं विकास केंद्र खनिज क्षेत्र में योगदान के 50 वर्ष पूरे कर रहा है, जो संस्थान की तकनीकी उत्कृष्टता की विरासत को और सुदृढ़ करता है।

पटपड़गंज से 2020 में मनीष सिसोदिया की जीत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच ने 2020 के विधानसभा चुनाव में पटपड़गंज विधानसभा सीट से मनीष सिसोदिया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि चुनाव याचिका उच्च न्यायालय से खारिज करने के बाद उसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। अब उच्च न्यायालय में ये याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। यह याचिका 2020 के विधानसभा चुनाव में पटपड़गंज विधानसभा सीट से चुनाव हार चुके प्रताप चंद्र ने दायर की थी। प्रताप चंद्र को 2020 के विधानसभा चुनाव में 95 वोट मिले थे। याचिका में आरोप लगाया गया था कि चुनाव के दौरान मनीष सिसोदिया ने जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 126 के तहत भ्रष्ट आचरण किया। याचिका में कहा गया था कि मनीष सिसोदिया ने अपने नामांकन हलफनामे में अपने आपराधिक इतिहास का कोई जिक्र नहीं किया था। उच्च न्यायालय की सिंगल पीठ ने 17 जनवरी को याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस जसमीत सिंह की पीठ ने कहा था कि याचिका में कई तथ्य ऐसा नहीं है, जिससे लगे कि याचिका सुनवाई के योग्य है। कोर्ट ने कहा था कि याचिका में जो आरोप लगाए गए हैं वे सामान्य आरोप हैं और जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 83 के तहत जरुरी तथ्य पेश नहीं किया गया है। कोर्ट ने कहा था कि किसी चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका में धारा 100 (1) (डी) के तहत ये तथ्य स्पष्ट होना चाहिए कि जो कथित भ्रष्ट आचरण किया गया है उससे चुनाव परिणाम कैसे प्रभावित हुआ। लेकिन याचिका में ये तथ्य बिल्कुल नदारद था। कोर्ट ने कहा था कि याचिका में जो फोटो लगाए गए हैं उनमें पार्टी के चुनाव चिह्न और नाम हैं और उसमें सिसोदिया का कोई जिक्र नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि ये फोटो चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद 48 घंटे के प्रतिबंधित समय के दौरान के थे कि नहीं इसका कोई जिक्र नहीं था।

भारत के ऊर्जा संक्रमण को दुनिया के लिए एक मॉडल बनाने की दिशा में कार्यरत – महत्वाकांक्षा में मजबूत, क्रियान्वयन में स्थिर और प्रभाव में समावेशीः श्रीपद येसो नाइक

लोकतंत्र की शान

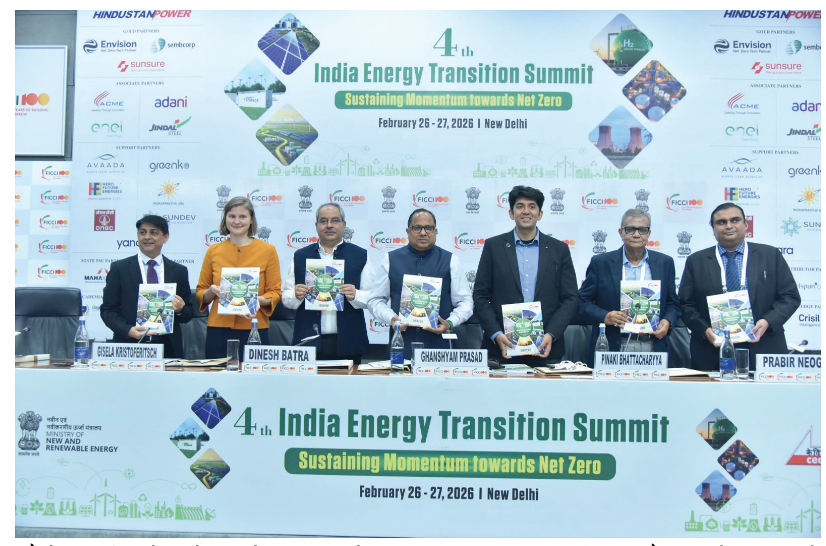

नई दिल्लीः श्रीपद येसो नाइक, राज्य मंत्री (विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा), भारत सरकार ने आज कहा कि भारत का ऊर्जा संक्रमण केवल एक आकांक्षा नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्यों और निर्णायक फैसलों पर आधारित एक सतत परिवर्तन है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री मोदी के विज़न के तहत भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है और 2070 तक नेट ज़ीरो की दिशा में अग्रसर है।" फिक्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन समिट' को संबोधित करते हुए श्री नाइक ने कहा कि आज देश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 520 गीगावाट से अधिक हो चुकी है, जिसमें आधे से अधिक हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों से आता है। हाल के वर्षों में सौर क्षमता तीन गुना से अधिक बढ़ी है और नवीकरणीय ऊर्जा अब मुख्यधारा का हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने कहा, "यह प्रगति नीतिगत स्पष्टता, पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया, ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के विस्तार, अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पार्कों के प्रोत्साहन, पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर, पीएम कुसुम योजना के तहत कृषि सौरकरण और घरेलू विनिर्माण को मजबूत बढ़ावा देने का परिणाम है।" मंत्री ने आगे कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से सरकार औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को सक्षम बनाते हुए, आयात निर्भरता कम कर और उभरती वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की स्थिति को सुदृढ़ कर अगला विकास क्षितिज तैयार कर रही है। उन्होंने कहा, "इस गति को बनाए रखने के लिए केवल क्षमता वृद्धि से आगे बढ़कर सिस्टम इंटीग्रेशन पर ध्यान देना होगा। हमें ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करना, भंडारण समाधानों का विस्तार, ग्रिड लचीलापन बढ़ाना और वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करनी होगी। ऊर्जा सुरक्षा, वहनीयता और समावेशिता हमारे दृष्टिकोण के केंद्र में रहनी चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन संक्रमण के अगले चरण का केंद्रीय तत्व होगा। इस्पात, सीमेंट, रसायन और रिफाइनिंग जैसे कठिन क्षेत्रों को स्वच्छ तकनीक, हरित हाइड्रोजन, विद्युतीकरण और नवाचारी वित्तीय मॉडलों को अपनाना होगा। "सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थानों और वैश्विक साझेदारों के बीच सहयोग इस परिवर्तन की गति और सफलता तय करेगा," मंत्री ने जोर दिया।

जमाअत के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने गाजा में गंभीर मानवीय संकट के बीच प्रधानमंत्री के इज़राइल दौरे पर गहरी चिंता और निराशा जताई

लोकतंत्र की शान, संवाददाता सना खान

नई दिल्ली। ऐसे समय में जब गजा सामयिक दृष्टि से सबसे बड़ी मानवीय तबाही देख रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इज़राइल दौरा और इज़राइली लीडरशिप के साथ सार्वजनिक मीटिंग निराशाजनक और चिंताजनक है। यह बात जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने मीडिया को जारी एक बयाना में कही। उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री के भाषण और पब्लिक में उनके रवैये ने लाखों भारतीयों को बहुत निराश किया है जो न्याय की आवाज़ और दबे-कुचले लोगों के रक्षक के तौर पर भारत की ऐतिहासिक भूमिका पर गर्व करते हैं। ऐसे समय में जब भरोसेमंद अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और मानवीय एजेंसियों ने गज़ा में इज़राइल की हरकतों को युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ़ अपराध और नरसंहार जैसा कृत बताया है, तब निर्भीक और सुस्पष्ट निंदा का आभाव अप्रत्याशित और दर्दनाक दोनों था। सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से दुनिया के सभी हिस्सों में रंगभेद, औपनिवेशिक कब्ज़े और नस्लीय भेदभाव का विरोध किया है। दुनिया भर के मामलों में भारत की नैतिक हैसियत सिर्फ़ सामरिक हितों पर ही नहीं, बल्कि न्याय, दया और दबे-कुचले लोगों के साथ एकजुटता पर आधारित सभ्यता के मूल्यों पर बनी है। भारत के लोगों को उम्मीद थी कि उनके प्रधानमंत्री इस दौरे के दौरान इसी विरासत को बनाए रखेंगे। उन्होंने आगे कहा कि फ़िलिस्तीनी ज़मीन पर इज़राइल का लंबे समय से कब्ज़ा, उसके भेदभाव की कार्यप्रणाली जिसे जाने-माने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनरंगभेद कहते हैं, और गज़ा में बड़े पैमाने पर हो रही तबाही और हत्याएं सिर्फ़ एक राजनीतिक लड़ाई नहीं हैं, बल्कि इंसानियत के लिए एक गंभीर नैतिक संकट हैं। एक ओर तो इज़राइली लीडरशिप के साथ प्रेम और नॉर्मल माहौल के प्रतीकात्मक इशारे और दूसरी तरफ फ़िलिस्तीनी तकलीफ़ के लिए उतनी ही साफ़ और हिम्मत वाली चिंता ज़ाहिर नहीं की गई, जिससे लाखों भारतीयों में गहरा दुख हुआ है, जिनकी अंतरात्मा हमेशा इंसाफ़ के साथ जुड़ी रहती है।

लोकतांत्रिक विरोध को आतंकवाद बताना लोकतंत्र की हत्या- डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने एआई समिट के दौरान प्रदर्शन करने वाले युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर दर्ज आपराधिक धाराओं को कानून का क्रूर दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को आतंकवाद या साजिश की श्रेणी में रखना लोकतंत्र की हत्या के समान है। कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के कानून, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग के चेयरमैन डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर लगाई गई धाराएं तथ्यों से मेल नहीं खातीं और मामले में किसी प्रकार की हिंसा या आपराधिक मंशा के प्रमाण नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम एक सार्वजनिक स्थल है, न कि निजी आवास। इसकी तुलना किसी के घर या बेडरूम से करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि सरकार से जवाब मांगना आतंकवाद नहीं है और विरोध के तौर-तरीकों को फौजदारी अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सिंघवी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लगाई गई धाराओं की सूची साझा करते हुए एक-एक कर उन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि धारा 121 के तहत स्वेच्छा से चोट या गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप है। लेकिन ऐसा कब और कहां हुआ? धारा 132 के तहत लोकसेवक को कर्तव्य से रोकने के लिए हमला करने का आरोप लगाया गया है। किस लोकसेवक के साथ ऐसा हुआ? धारा 221 के तहत लोकसेवक के कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया, लेकिन बाधा कहां डाली गई? मुकदमे में लगाई गई धारा 153ए व 197 को लेकर सिंघवी ने तंज कसते हुए कहा कि क्या किसानों और रोजगार के मुद्दे उठाना राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है? क्या युवाओं के प्रदर्शन से समूहों के बीच दुश्मनी पैदा हुई? उन्होंने मामले में कॉमन इंटेंशन और क्रिमिनल कांस्पिरेसी को भी जोड़ने पर सवाल उठाए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए डॉ.सिंघवी ने कहा कि आज के भारत में शांतिपूर्ण विरोध करना ही सबसे बड़ा अपराध बन गया है। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तर कोरिया जैसी तानाशाही चला रही है और असहमति को देशद्रोह व सवालों को साजिश बताया जा रहा है।

उत्तरी जिला की डीआईयू टीम द्वारा 40 लाख रुपये मूल्य की अवैध आयातित सिगरेट की बड़ी खेप बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नकली/ प्रतिबंधित उत्पादों की अवैध बिक्री, खरीद, निर्माण एवं वितरण पर अंकुश लगाने हेतु उत्तरी जिला की डीआईयू की विभिन्न टीमें ऐसे व्यक्तियों के संबंध में लगातार सूचनाएं विकसित करने में जुटी थीं, जो इन अवैध/प्रतिबंधित उत्पादों की सप्लाई में लिप्त थे। दिनांक 06.02.2026 की शाम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध आयातित सिगरेट लेकर एक टेंपो में खारी बावली/खोया-मेवा मंडी, कश्मीरी गेट क्षेत्र में मौजूद है।

टीम एवं कार्रवाईः इस सूचना पर एसआई प्रभाष, एसआई अशोक तोमर तथा एएसआई सुरेश की एक विशेष टीम का गठन श्री सुशील कुमार, एसीपी/डीआईयू, उत्तरी जिला के पर्यवेक्षण में किया गया। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसकी पहचान संजय अग्रवाल, उम्र 51 वर्ष, पुत्र श्याम लाल, निवासी अंबाला, हरियाणा के रूप में हुई। मौके से खड़े टाटा ऐस टेंपो से 10 प्लास्टिक कट्टे/बैग बरामद किए गए, जिनमें 30 कार्टन में कुल 3,00,000 स्टिक आयातित सिगरेट पाई गईं। इन सिगरेटों पर 'Esse Special Gold The Leader's Signature Super Slim' American Blend का ट्रेडमार्क अंकित था। उक्त आयातित सिगरेट भारत में प्रतिबंधित/अवैध हैं, क्योंकि इनके पैकेट पर Ministry of Health & Family Welfare द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनी अंकित नहीं थी।

इस संबंध में थाना कश्मीरी गेट में एफआईआर संख्या 77/2026 दिनांक 07.02.2026 के तहत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच प्रारंभ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी संजय अग्रवाल ने खुलासा किया कि वह पिछले छह वर्षों से इन अवैध आयातित सिगरेटों की अनधिकृत बिक्री एवं वितरण में संलिप्त था। वह इन सिगरेटों को पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली से खरीदकर हरियाणा एवं पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक मांग के कारण सप्लाई करता था। गिरफ्तारी वाले दिन वह सुबह के समय यह माल लेकर पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र से टाटा ऐस टेंपो द्वारा मोरी गेट तक आया। इसके बाद वह टेंपो को खोया मंडी, मोरी गेट में ले गया, लेकिन 'नो एंट्री' के कारण वह वहां फंस गया। वह 'नो एंट्री' समाप्त होने का इंतजार कर रहा था ताकि दूसरे टेंपो की व्यवस्था कर इस खेप को हरियाणा/पंजाब भेज सके, लेकिन उससे पहले ही सतर्क पुलिस टीम द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अवैध सिगरेटों के स्रोत का पता लगाने हेतु आगे की जांच जारी है।

आरोपी का विवरणः संजय अग्रवाल, उम्र 51 वर्ष, पुत्र श्याम लाल, निवासी अंबाला, हरियाणा।

शैक्षणिक योग्यताः 12वीं तक शिक्षित।

मूल निवासीः मोहाली, पंजाब।

पूर्व में मोहाली, पंजाब में पान मसाला की दुकान पर कार्यरत था।

आसान धन कमाने के उद्देश्य से पिछले छह वर्षों से अवैध आयातित सिगरेटों की बिक्री एवं वितरण में संलिप्त था। 10 प्लास्टिक कट्टे/बैग, जिनमें 30 कार्टन में कुल 3,00,000 स्टिक आयातित सिगरेट (अनुमानित मूल्य लगभग 40 लाख रुपये)।

संक्षिप्त समाचार

नारी शक्ति संगठन ने होली उत्सव का किया आयोजन, जमकर उड़ा अबीर गुलाल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः

हसनपुरः गुरुवार को नगर की समाज सेवी संस्था नारी शक्ति संगठन द्वारा रंगों के त्यौहार होली के उपलक्ष में नगर के एक आम के बाग में होली उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की महिलाओं ने एक दूसरे को रंग, गुलाल, अबीर लगाकर होली की बधाई दी, तथा पकवानों का आनंद लिया, वहीं इस मौके पर विभिन्न प्रकार के गेम खेले गए, जिसमें संगठन की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, लकीडेस गेम में अंशु, सीमा, प्रीति, उमा विजेता रही, वहीं सरप्राइज गेम में दीपा, पूनम, अंजना, निर्मला विजेता रही, इसी प्रकार होली गेम में पंकज, सविता, अमिता और हुलियारा गेम में प्रीति, रेखा, पायल विजेता रही, इस मौके पर नारी शक्ति संगठन की अध्यक्षा डोली अग्रवाल ने कहा कि रंगों का त्योहार होली आपस में प्रेम बढ़ाने का कार्य करता है, होली पर आपसी मनमुटाव को भूलाकर सभी को एक दूसरे के साथ इस त्यौहार को मनाना चाहिए, वहीं उन्होंने कहा कि होली खेलते समय हमें केमिकल एवं पक्के रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, सूखे तथा हर्बल रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए, इस मौके पर नारी शक्ति संगठन की कार्यकर्ताओं ने होली के गीत भी गए तथा एक दूसरे को बधाई दी, होली उत्सव कार्यक्रम में अध्यक्षा डोली अग्रवाल, महामंत्री शेफाली अग्रवाल, अर्चना गोयल, बबीता, स्वाति, रजनी, रचना, नेहा आरती, जया, उमा आदि संगठन की महिलाएं मौजूद रही।

28 लाख की लागत से होगा महाराजा शूरसेन स्मृति द्वार का निर्माण, चेयरमैन ने किया शिलान्यास

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः

हसनपुरः गुरुवार को नगर के ब्लॉक चौराहे पर महाराजा शूरसेन जी की स्मृति में एक विशाल स्मृति द्वारा के निर्माण का पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने शिलान्यास किया, बताते चलें कि स्मृति द्वारा का उद्देश्य नगर की सुंदरता को बढ़ाना और क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान को मजबूत करना है, शिलान्यास कार्यक्रम को पंडित महेश शर्मा ने विधि विधान से पूजन और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न कराया, इस संबंध में पालिका अध्यक्ष ने बताया कि आजादी से लेकर अब तक भी हसनपुर नगर पालिका द्वारा स्वागत द्वार का निर्माण नहीं हुआ है तथा महापुरुषों के सम्मान में यह प्रथम स्वागत द्वार महापुरुष महाराजा शूरसेन जी की स्मृति में निर्मित होने जा रहा है जिसमें लगभग 28 लाख रुपए का खर्चा आएगा, वहीं उन्होंने बताया कि इसी प्रकार अन्य स्वागत द्वारों का भी आने वाले समय में निर्माण कराया जाएगा, उन्होंने बताया कि ऐसे स्वागत द्वार से शहर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं, इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा नेता मुकेश गुप्ता, अर्पण गुप्ता, गिरधारी लाल सैनी, इशांत सैनी, सभासद शाहनवाज अंसारी, नितिन सैनी, राजपाल सैनी, राहुल सैनी, नौशाद अली, जावेद अली, मोनिश अली, हम्जा अली, संजीव सैनी, रविशंकर सैनी, राजकुमार सैनी, संजय सहदेव, विक्रांत शर्मा, पूरण सैनी, कृष्ण वाल्मीकि, बाबू करन सिंह आदि मौजूद रहे।

साप्ताहिक बाजार अब मुसीबतः जाम में फंसे लोग, जेबकतरों का आतंक

» ""चोरी झगड़ा लगातार जाम जैसे हालात रहते है प्रशासन की कोई खास व्यवस्था नहीं

लोक तंत्र की शान : (खिजर अहमद) : नजीबाबाद साप्ताहिक बाजार बना जनता के लिए मुसीबत, सड़कों पर जाम और जेबकतरों की सक्रियता शहर में हर सप्ताह लगने वाला साप्ताहिक बाजार अब सुविधा के बजाय आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। बाजार लगने के दिन प्रमुख सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लग जाता है, जिससे राहगीरों, कर्मचारियों और मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बाजार क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और बेतरतीब वाहन पार्किंग के कारण आवागमन लगभग ठप हो जाता है। घंटों तक जाम में फंसे रहने से लोगों का कीमती समय बर्बाद होता है और एंबुलेंस जैसी आपात सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब बाजार की भीड़ में जेबकतरों की सक्रियता बढ़ जाती है। कई नागरिकों ने शिकायत की है कि उनके मोबाइल फोन, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी हो गए, लेकिन पर्याप्त निगरानी के अभाव में चोर आसानी से फरार हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि साप्ताहिक बाजार को किसी खुले स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, प्रभावी ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए और जेबकतरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

स्कूल मास्टर पर 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, दूसरी बच्ची से छेड़छाड़ की शिकायत

(खिज़र अहमद): नजीबाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला जाब्तागंज में एक शिक्षक पर गंभीर आरोप लगने से इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, अंशुल कुमार नामक शिक्षक पर 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया गया है पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 23 फरवरी की शाम बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने भैंसों वाले घेर में ले गया और उसके साथ गलत हरकत की। बच्ची के दर्द की शिकायत पर मामला सामने आया। घटना उजागर होने के बाद एक दूसरी महिला भी थाने पहुंची और आरोप लगाया कि उसी शिक्षक ने उसकी 11 साल की बेटी को टॉफी का लालच देकर गलत हरकत की थी। दोनों शिकायतों के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है और मेडिकल व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

जर्मनी में 200 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति

सीएम योगी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

लोक तंत्र की शान : जर्मनी/लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी दौरे पर अग्रणी रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी रेलवन जीएमबीएच (RAILONE GmbH) के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का दौरा किया। इस दौरान राज्य सरकार और कंपनी के बीच लगभग 200 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह दौरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास और वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अत्याधुनिक रेलवे ट्रैक तकनीक का लिया जायजा-उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने रेलवन के संयंत्र में रेलवे ट्रैक और कंक्रीट स्लीपर निर्माण की उन्नत तकनीकों का विस्तृत अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रक्रिया को समझने के लिए कंपनी के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

टी.ई. टी. अनिवार्यता के विरोध के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर दिया धरना

लोकतंत्र की शान, देवेंद्र सिंह

सीतापुरः टी. ई.टी. अनिवार्यता लागू किए जाने के निर्णय के विरोध में सीतापुर में मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले दिया धरना। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिनेश शर्मा के आह्वान पर प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन एक मंच पर आकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। सीतापुर में टीचर फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के बैनर तले रवींद्र दीक्षित प्रांतीय उपाध्याय - जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सीतापुर, राधा प्रजापति जिला अध्यक्ष महिला संगठन सीतापुर, मनीष रस्तोगी जिला अध्यक्ष जूनियर शिक्षक संघ सीतापुर ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में जिले भर के शिक्षको व शिक्षिकाओ के साथ धरना दिया। धरने की अध्यक्षता रवींद्र दीक्षित ने की। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन में मांग की गई है । प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश राज्य में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 दिनांक 27 जुलाई 2011 से लागू किया गया है । अधिनियम के अनुसार अधिनियम नियम के प्रभावी होने की तिथि से अथवा उसके उपरांत नियुक्त होने वाले शिक्षकों को शिक्षा पात्रता परीक्षा टीईटी उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया गया है जबकि उसके पूर्व में नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त रखा गया है परंतु माननीय सुप्रीम कोर्ट के दिनांक 1 सितंबर 2025 के निर्णय के द्वारा देश के सभी राज्यों में अधिनियम लागू होने की तिथि से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भी सेवा में बने रहने अथवा पदोन्नति हेतु टीईटी करना अनिवार्य कर दिया गया है। जो की पूर्व में नियुक्त शिक्षकों के साथ सरासर अन्याय है। फलस्वरूप देशभर के शिक्षक टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आंदोलनरत रहकर भारत सरकार से उपरोक्त के संबंध में अध्यादेश लाकर आरटीई में पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी में छूट देने की अपील कर रहे हैं। रवींद्र दीक्षित ने बताया कि टीईटी अनिवार्यता के विरोध में इससे पहले कई चरण में आंदोलन किया जा चुका है। आंदोलन के प्रथम चरण में 22 फरवरी 26 को अपनी मांग को लेकर इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैशटैग अभियान चलाया गया। अभियान पूरे देश में नंबर एक ट्रेड पर रहा। द्वितीय चरण में बाद 23 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक शिक्षको ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करते हुए विरोध जाता रहे हैं। जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मनीष रस्तोगी ने कहा कि माननीय न्यायालय से हमें उम्मीद है हो सकता है कोई आदेश आ जाये हमें देश की राजधानी में धरना न करना पड़े। महिला संगठन जिला अध्यक्ष राधा प्रजापति ने कहा कि हमारे मांगे उचित है सरकार को कोई न कोई रास्ता अवश्य निकालना चाहिए। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री हंसराज वर्मा ने धरने में उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षकों को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन पढ़कर सुनाया सभी शिक्षकों ने हाथों को उठा कर के समर्थन व्यक्त किया । नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि हम शिक्षक हैं हमें शिक्षा कार्य करने दे हमें आंदोलन करने पर मजबूर न करें। हम संगठित है ये ही हमारी ताकत है। पवन सिंह ने कहा की टीईटी बहुत कठिन नही पर ये हमारे सम्मान पर कुठाराघाट है जो हम शिक्षकों पर जबरन टीईटी थोपी जा रही है। उमेश सिंह यादव ने कहा कि टीईटी की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों का मजाक बना दिया । शिवसागर वर्मा ने कहा आप अपने संगठन पर विश्वास रखें हमारा अच्छा ही होगा। अरुण मिश्रा सीनियर बेसिक शिक्षक संघ ने कहा सरकार हम शिक्षकों को आपस में तोड़ने का कार्य कर रही है । राष्ट्रीय शेरसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू भी शिक्षकों के समर्थन में आए और उन्होंने कहा कि मेरा व मेरे संगठन का पूरा समर्थन शिक्षकों के साथ में हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय से सभी शिक्षक शिक्षिकाएं पैदल मार्च करते हुए जिला अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। वहाँ प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन महेंद्र तिवारी नायब तहसीलदार ने लिया । ज्ञापन देने के बाद रवींद्र दीक्षित ने धरने में आए सभी शिक्षक साथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा यह लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो अगला धरना मार्च में देश की राजधानी में होगा। जिसके लिए सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन व शिक्षक साथी तैयार रहे जिसमें आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। मंच का संचालन दिनेश मिश्रा ने किया। धरने में पंकज अवस्थी मांडलिक मंत्री जूनियर शिक्षक संघ , गिरजेश अवस्थी, उमेश यादव, रत्नेश मिश्र, पुनीत शुक्ला "जीतू" , वंदना दीक्षित, महिपाल सिंह तोमर, अश्वनी सिंह एलिया, महेंद्र पाण्डेय, शिव सागर वर्मा, अश्वनी सिंह पिसवा, अजय सिंह, ज्ञान प्रकाश, सिद्धार्थ पटेल, शबनम महिला संगठन, जंग बहादुर, नसीर अहमद, सचिदानन्द अवस्थी,महेश पाल सिंह, गरिमा रंजन, सपना भारती, विनय गिहार, सुनील बाजपेई, अजीत सिंह, पंकज शाक्य, शिवेंद्र कुमार, श्रीपाल, प्रदीप वर्मा, लक्ष्मी गोयल, पवन त्रिपाठी एवं सभी ब्लॉकों के सम्मानित अध्यक्ष - मंत्री व उनकी कार्य समिति व हजारों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

बच्चों के विवाद में फायरिंग करने वाला युवक गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः नगर के मोहल्ला चामुंडा रोड कायस्थान में मंगलवार को बच्चों के विवाद में हुए खूनी संघर्ष में घर में घुसकर फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, बता ते चले कि इब्ने अली और तौफीक के बच्चों के बीच मामूली विवाद के बाद तौफीक ने अपने बेटे और कुछ साथियों के साथ मिलकर इब्ने अली के घर पर हमला बोल दिया था हमलावरों ने घर में घुसकर अवैध तमंचे से दौ राउंड फायरिंग भी की थी इस हमले में छर्रे लगने से पांच घायल हो गए थे, वही वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने घरों में ताला लगा कर फरार हो गए थे सूचना मिलने पर क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे और स्थिति को संभाला था पुलिस ने तहरीर के आधार पर तौफीक पुत्र तमकीन रिहान व फैजान पुत्र गण तौफीक और शाहजहां पत्नी तौफीक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था गुरुवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी रिहान पुत्र तौफीक को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है जहां पुलिस ने रिहान को न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया, वह पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है, गिरफ्तार करने वाली टीम में अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार, उप निरीक्षक राम प्रकाश और हेड कांस्टेबल रजनीश कुमार शामिल रहे 1

छठे दिन शिविर में योग एवं व्यायाम को लेकर किया गया जागरूक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को महाविद्यालय चिरंजी लाल कॉलेज आफ एजुकेशन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के षष्ठम दिवस का उद्घाटन ग्राम प्रधान रानी देवी ने ग्राम बौनावाली डगरोली में किया 1 उन्होंने कौशल विकास हेतु युवा के तहत स्वास्थ्य विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि हमें नियमित योग व्यायाम करना चाहिए जिससे हमारा शरीर स्वस्थ एवं मजबूत बना रहेगा 1 योग व्यायाम से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जो हमें बीमारियों से बचाने में मददगार होती है 1 उन्होंने एक कथन में कहा कि - योग भगाए रोग , अर्थात योग व्यायाम के द्वारा ही हम विभिन्न बीमारियों से मुक्त रह सकते हैं 1 शारीरिक प्रमुख अजयपाल सिंह ने योग के विभिन्न आसनों के बारे में बताते हुए कहा कि योग व्यायाम एवं शारीरिक अभ्यास सुबह खाली पेट ही लाभदायक रहता है 1 रितिक कुमार , तिलक राम ने शारीरिक प्रमुख के संरक्षण में योग व्यायाम का अभ्यास कराया, सायकालीन बेला में निदेशक पुनीत अग्रवाल ने अब तक के प्रशिक्षण की समीक्षा कर सभी स्वयं सेवियो का उत्साहवर्धन करते हुए शेष प्रशिक्षण की कुशलता हेतु शुभकामनाएं दी 1 इस अवसर पर प्राचार्य डॉ राकेश आर्य, राजकुमार, अतुल शर्मा ,लोकेश कुमार, विनोद गुप्ता , परीक्षित कुमार, रितिक कुमार, निगम, नेहा सागर, पायल, प्रियंका, प्रीति, सृष्टि, वर्षा, सरिता, नीलू सैनी, कोशिंदर, शीतल, सोनिया , काजल ,अक्षय, मीनू , अजीत कुमार सहित सभी स्वयंसेवी उपस्थित रहे 1

यूपी सरकार व यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर ऐतिहासिक समझौता

लोक तंत्र की शान

यामानाशी (जापान)/लखनऊ । जापान दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। यूपी सरकार ने जापान के यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो में प्रदेश की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रमुखता से प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि उत्तर प्रदेश ने शासन की कार्यशैली को रिएक्टिव (Reactive) से बदलकर प्रोएक्टिव (Proactive) बनाया है और यही परिवर्तन आज प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति का आधार बना है।

ग्रीन हाइड्रोजन पर ऐतिहासिक समझौता-कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश व यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत उत्तर प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और इस तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी2जी (गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट) और जी2बी (गवर्नमेंट टू बिजनेस) स्तर की बैठकों में भाग लिया, जहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ। उन्होंने यामानाशी प्रशासन को सक्रिय पहल कर निवेश संवाद को आगे बढ़ाने के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

नजीबाबाद-मालन नदी मार्ग पर दर्दनाक हादसाः मैक्स बरात से लौटते हुए नदी में गिरी, 3 लोगों की मौत

लोक तंत्र की शान, (खिजर अहमद)

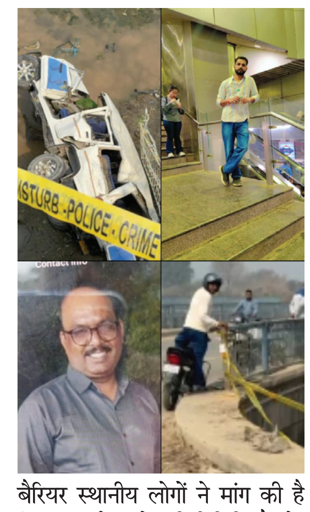

नजीबाबाद : नजीबाबाद के समीप पूर्व गंग नहर–मालन नदी मार्ग पर देर रात भीषण हादसा हो गया। सवारियों से भरी एक मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर करीब 50 फुट गहरी खाई ढलान से नीचे नदी में जा गिरी। बताया जा रहा है कि सड़क और नदी के बीच लगभग पचास फुट की ऊंचाई है, जिससे वाहन सीधे नीचे जा गिरा। हादसा रात लगभग 2 बजे का बताया जा रहा है।दुर्घटना में तीन लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई अन्य घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर घायलों को अस्पताल भिजवाया गंभीर घायलों को रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार मैक्स वाहन बरात से लौट रहा था ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थान पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं यहां न तो पर्याप्त लाइट की व्यवस्था है और न ही मजबूत सुरक्षा बैरियर स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे, स्ट्रीट लाइट और मजबूत रेलिंग बैरियर लगाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन विधायक आवास पर सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के जिला अध्यक्ष हाजी हसीन अहमद गफ्फारी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन विधायक आवास पर विधायक पुत्र को सौपा, जिसमें हसनपुर चीनी मिल का विस्तारीकरण शीघ्र कराए जाने, ग्राम भदौरा किसान सेवा केंद्र से बालानागर और पश्चिम सड़क पर नाली निर्माण कराए जाने, हसनपुर संभल स्टेट हाईवे पर भटोला सरकी संपर्क मार्ग बनवाए जाने, यूजीसी एक्ट को समाप्त किए जाने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया, इस मौके पर राजपाल चौहान, ब्रह्मपाल सिंह, उस्मान, एहसान, मांगू त्यागी, प्रेम सिंह आदि मौजूद रहे 1

होली पर किसानों के जीवन में खुशहाली का रंग भरेगी योगी सरकार

लोक तंत्र की शान,

» **त्योहार पर किसानों को फिर मिलेगा कृषि यंत्रों का तोहफा**
» **अनुदान पर कृषि यंत्र पाने के लिए किसानों को चार मार्च तक करना होगा आवेदन**
» **कृषि विभाग की वेबसाइट www.agridarshan.up.gov.in पर करना होगा ऑनलाइन आवेदन**
» **वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी तक 7777 कृषि यंत्र, 51 कस्टम हायरिंग सेंटर एवं 64 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित करने के बिल पोर्टल पर हुए अपलोड**

लखनऊः योगी सरकार होली पर किसानों के जीवन में 'समृद्धि' का रंग घोलेगी। उप्र कृषि विभाग द्वारा त्योहार पर किसानों को कृषि यंत्र का तोहफा देने की पहल की गई है। अनुदान पर मिलने वाले कृषि यंत्रों के लिए बुकिंग प्रारंभ हो गई है, जो चार मार्च तक चलेगी। किसानों को विभाग की वेबसाइट www.agridarshan.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

चार मार्च तक इन यंत्रों के लिए आवेदन कर सकते हैं किसान –कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कृषि ड्रोन, अन्य एकल कृषि यंत्र तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेज्ड्यू योजना के अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन के अन्य एकल कृषि यंत्र एवं अन्य योजनाओं के कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण के आवेदन चार मार्च तक किए जा सकते हैं। त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत बैच ड्रायर एवं मेज सेलर के लिए आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन करनी होगी बुकिंग-कृषि यंत्रों की बुकिंग या आवेदन विभाग की वेबसाइट www.agridarshan.up.gov.in पर ऑनलाइन करनी होगी। इस लिंक पर किसान कॉर्नर के अंतर्गत यंत्र बुकिंग प्रारंभ पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। यंत्रों से जुड़ी समस्त जानकारी व अनुदान प्रक्रिया पर इस वेबसाइट पर उपलब्ध है। लाभार्थियों का चयन/बुकिंग टोकन कन्फर्म होने की तिथि से कृषि यंत्र खरीद कर उसकी रसीद व फोटो 10 दिन के भीतर www.agridarshan.up.gov.in या upyantratraking.in अपलोड करना होगा।

2017 से 2025 तक लगभग तीन लाख कृषि यंत्रों का वितरण–2017-18 से 2025 तक उत्तर प्रदेश में लगभग तीन लाख कृषि यंत्रों का वितरण किया गया। इसमें 2.31 लाख एकल कृषि यंत्र, 8405 कस्टम हायरिंग सेंटर, 7351 फॉर्म मशीनरी बैंक आदि प्रमुख हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जनवरी तक 7777 कृषि यंत्र, 51 कस्टम हायरिंग सेंटर एवं 64 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित के बिल पोर्टल पर अपलोड हुए।

संक्षिप्त समाचार

पीयू छात्र संघ चुनाव, आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों का प्रेसिडेंशियल डिबेट जारी

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। आज शाम 5 बजे तक ही प्रत्याशी प्रचार कर सकते हैं। पटना साइंस कॉलेज में आज प्रेसिडेंशियल डिबेट शुरू हो गया है। अध्यक्ष पद के सभी 11 उम्मीदवारों को 5-5 मिनट का समय दिया गया है। उम्मीदवारों को अनुशासन में रहकर अपनी बातें रखने को कहा गया है। यह प्रेसिडेंशियल डिबेट 25 फरवरी को पटना वीमेंस कॉलेज में आयोजित होने वाला था, लेकिन एक हफ्ते पहले एक छात्र संघ के द्वारा कॉलेज में जबरदस्ती घुसकर चुनाव प्रचार किया था। इसके बाद प्रेसिडेंशियल डिबेट को कैंसिल कर दिया गया था। पटना विश्वविद्यालय के विधि पदाधिकारी सह मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेंद्र पासवान ने बताया कि, कुलपति प्रोफेसर नमिता सिंह के निर्देश पर पूर्व में ही केंद्रीय चुनाव समिति ने 26 को डिबेट निर्धारित किया था, जिसे लेकर बुधवार को पुनः सूचना जारी की गई। पटना यूनिवर्सिटी में कई प्रमुख मुद्दे हैं। इनमें पीयू को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा मिले। नेशनल रैंकिंग में टॉप 100 में जगह बनाना, रिसर्च लैब को शुरू करना, लाइब्रेरी ऑटोमेशन, कॉलेजों में लैब अपग्रेड कराना, इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट, खिलाड़ियों को लिए कोच और खेल सामग्री की व्यवस्था, शिक्षकों की पर्याप्त संख्या, हॉस्टलों में बेहतर सुविधाएं, कॉलेजों में कैंटीन और हॉस्टलों में मेस की व्यवस्था प्रमुख है।

पवन सिंह पर भड़कीं अक्षरा, कहा-10 जगह मुंह मारता है, क्या जिंदगी भर मेरे साथ चिपका रहेगा

लोकतंत्र की शान : पटना। भोजपुरी स्टार पवन सिंह की एक्स गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह ने बिना उनका नाम लिए उनपर जोरदार हमला किया है। अक्षरा सिंह ने पवन सिंह के साथ पुराने रिश्तों पर कहा, "इस बात को जमाना बीत चुका है। मुझे भी अपना जीवन बसाना है। एक ही जगह उलझ कर नहीं रह सकती।" वो दस जगह लड़कियों के साथ इधर-उधर घूम रहा है, उससे कोई सवाल नहीं पूछ रहा। उसका चरित्र सबके सामने है। मेरा एक अफेयर हो गया तो मैं गुनहगार हो गई।मुझे कोई चैन से जीने नहीं दे रहा। क्या सिर्फ इसलिए कि मैं लड़की हूं? क्या यह मेरा गुनाह है? पॉडकास्ट के दौरान जब अक्षरा सिंह से पूछा गया कि क्या अभी भी पवन सिंह के लिए उनके दिल में सॉफ्ट कॉर्नर है तो वे झिझकी नहीं, बल्कि उन्होंने दो टूक जवाब देकर ऐसा सोचने वालों की बोलती बंद कर दी। उन्होंने पूछा, 'वो हैं कौन?' सवालों में उलझी अक्षरा ने कहा, 'अब लोग कहेंगे कि हर बार उसी का टॉपिक ले आती हैं। अरे मैं क्या करूं, मुझसे पूछा जाता है हर बार जैसे अभी आपने पूछा। कहीं और जाऊंगी तो फिर से यही सवाल किया जाएगा। हो गई बहुत पुरानी बात, एक टाइम पर एक पॉडकास्ट में मैंने सारी बातें कह दी थी। मैंने तभी ये कहा था कि मैं अब इस टॉपिक पर बार-बार बात नहीं करूंगी। वो मेरा अतीत था, इसे लेकर नहीं घूम सकती।' करीब 6 महीने पहले पवन सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें पवन सिंह हरियाणवी एक्ट्रेस की स्टेज पर कमर छुते दिखे थे। इसे लेकर काफी कॉन्ट्रवर्सी भी हुई थी। बाद में हरियाणवी एक्ट्रेस ने भोजपुरी फिल्मों में काम करने से तौबा कर लिया। इसे लेकर जब अक्षरा सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'उस दिन उस एक्ट्रेस की गलती थी। अगर कोई आपको छूता है, तो आपको तुरंत रिएक्शन देना चाहिए।'

दिल्ली में पत्नी और 3 बेटियों की गला रेतकर हत्या, सोते समय वारदात को अंजाम दिया

लोकतंत्र की शान : पटना। दिल्ली के समयपुर बादली में एक ही परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या हुई। किराए के कमरे में महिला और उसकी तीन बेटियों की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान अनीता (32), अनुष्का (5), मुस्कान (4) और पल्लवी के रूप में हुई है। घटना चंदन पार्क की गली नंबर-3 स्थित मकान की है। पति पर पत्नी और बेटियों की हत्या करने का आरोप है। आरोपी पति मुनचुन के पिता रामबालक केवट और मां पटना के बाढ़ में रहते हैं। उसके तीन भाई भी दिल्ली में आजादपुर सब्जी मंडी में मजदूरी करते हैं। चारों पीड़ितों का गला धारदार हथियार से काटा गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमला इतना जोर से किया गया था कि उनकी श्वास नली भी कट गई थीं। पुलिस ने घटनास्थल को बहुत क्रूर बताया। घटना के बाद से आरोपी पति मुंचुन केवट लापता है। पुलिस उसे संदिग्ध मानकर चल रही है। पुलिस ने कहा कि जांचकर्ता अवैध संबंध सहित सभी संभावित पहलुओं की भी जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हत्या का कारण बेटे का न होना हो सकता है। मंगलवार रात करीब 9 बजे पति-पत्नी के बीच विवाद भी हुआ था। इधर, रूबी नाम की एक रिश्तेदार ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि केवट और उसकी पत्नी पिछले दो सालों से दिल्ली में रह रहे थे और पति-पत्नी के बीच आमतौर पर झगड़े नहीं होते थे। परिवार आठ महीने पहले ही बिहार से दिल्ली गया था। पुलिस को शक है कि चारों को पहले नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और फिर हत्या की गई, क्योंकि इतनी बड़ी घटना के बावजूद किसी ने चीखने-चिल्लाने की आवाज नहीं सुनी गई।

फर्जी लुभावने विज्ञापनों से सावधान रहें-एसडीपीओ

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में 26 फरवरी को बिहार पुलिस सप्ताह के पांचवें दिन एक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक वैशाली विक्रम सिहाग के निर्देश पर सीवी. रमन विश्वविद्यालय में हुआ। इसमें पुलिस उपाधीक्षक सह साइबर थानाध्यक्ष और साइबर थाना टीम ने छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित 'क्या करें और क्या न करें' (Do's & Don'ts) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के नवीनतम तरीकों, उनसे उत्पन्न चुनौतियों और स्वयं को सुरक्षित रखने के उपायों से अवगत कराया गया। सत्र में छात्र-छात्राओं को कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी गई। इसमें राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930, पोर्टल cybercrime.gov.in और साइबर थाना की भूमिका शामिल थी। उन्हें साइबर बुलिंग से बचाव के उपाय भी बताए गए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रकार की साइबर ठगी जैसे APK फाइल फ्रॉड, बिजली मीटर अपडेट फ्रॉड, RTO चालान APK फ्रॉड और क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को सभी सोशल मीडिया ऐप्स में टू-स्टेप वेरिफिकेशन चालू रखने और फर्जी लुभावने विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह दी गई। उन्हें OTP, CVV, पासवर्ड और अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी से साझा न करने की हिदायत भी दी गई। फर्जी ऑनलाइन गेम्स और डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से सतर्क रहने के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की और अपनी समस्याओं व जिज्ञासाओं को साझा किया। उन्हें साइबर अपराध से बचाव के व्यावहारिक उपायों के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

शादी में डीजे पर बवाल, दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

बाढ़ के सलेमपुर गांव में हंगामा, दो घायल, देर रात हुई पत्थरबाजी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के बाढ़ में गुरुवार सुबह डीजे को लेकर गलत फहमी के चलते दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि पत्थरबाजी और लाठी-डंडे चलने लगे। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर रखी कई कुर्सियां तोड़ दी गईं। घटना में एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। बीती रात शादी समारोह के दौरान गाना बजाने और डांस को लेकर दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी भी हुई थी। घटना थाना क्षेत्र अंतर्गत सलेमपुर गांव की है।

सुबह फिर भड़की हिंसा, दो घंटे तक चला बवालः बीती रात हुई पत्थरबाजी के बाद गुरूवार सुबह फिर से दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस दौरान एक पक्ष के दो लोगों का सिर फूट गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के कारण शादी की रस्म भी ठीक से पूरी नहीं हो सकी और लड़की को जल्दबाजी में विदा करना पड़ा। यह मारपीट लगभग दो घंटे तक चलती रही।

'दहपुजी' रस्म के दौरान शुरू हुआ विवादः शादी वाले घर के लोगों ने आरोप लगाया कि, शाम को जब वे शादी की 'दहपुजी' रस्म के लिए जा रहे थे, तभी गांव के ही रहने वाले दूसरे पक्ष के लोगों ने उनसे झगड़ा किया और जमकर पत्थरबाजी की। दूसरे पक्ष ने बाहरी लोगों को बुलाकर मारपीट की।

डीजे पर गलतफहमी से बढ़ा झगड़ाः महिलाओं ने बताया कि डीजे बजाते समय हुई गलतफहमी के कारण यह पूरा विवाद शुरू हुआ। दूसरे पक्ष के लोगों को लगा कि एक महिला के साथ बदतमीजी की गई है, जिसके बाद उनके साथ भी मारपीट की गई। उनका कहना था कि जब भी उनके यहां खुशी का माहौल होता है, दूसरा पक्ष विवाद करता है। ऐसी घटना पहले भी तीन बार हो चुकी है।

पटना शहर के अंदर चली मेट्रो, होली बाद भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक दौड़ेगी मेट्रो

लोकतंत्र की शान , पटना

जंक्शन के पास 3 फ्लोर का बनेगा इंटरचेंज स्टेशन

पटना मेट्रो को आज पहली बार शहर के अंदर चलाया गया। गुरुवार को भूतनाथ मेट्रो स्टेशन से दो नए स्टेशनों खेमनीचक और मलाही पकड़ी तक मेट्रो का ट्रायल रन किया गया। इसके चलते आज आम यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा बंद रखी गई। भूतनाथ और मलाही पकड़ी के बीच की दूरी 2.75KM है। इस नए सेक्शन पर अलग-अलग गति से ट्रेन चलाकर ट्रैक की क्षमता, ब्रेकिंग सिस्टम, सिग्नलिंग और स्टेशनों के बीच तालमेल की जांच की जा रही है। अभी भूतनाथ से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल के बीच 3.45 किमी में मेट्रो का परिचालन हो रहा है। नए सेक्शन के जुड़ने के बाद पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से मलाही पकड़ी तक कुल 6.2KM एलिवेटेड ट्रैक पर मेट्रो चलेगी। पटना मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक, कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) की टीम को जांच के लिए 25 फरवरी को आना था, लेकिन, कुछ कारणों से उस दिन टीम नहीं आ रही है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, CMRS की टीम अब मार्च में पटना पहुंचेगी। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी। सब कुछ ठीक रहा तो होली बाद मेट्रो ट्रेन 5 स्टेशनों तक दौड़ेगी। पटना मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक, भूतनाथ से मलाही पकड़ी के बीच परिचालन की अंतिम तैयारियां चल रही हैं। इस सेक्शन के शुरू होते ही यात्री मलाही पकड़ी से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल तक कुल 6.2 किमी एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक पर सफर कर सकेंगे। इस रूट पर 5 स्टेशन होंगे- पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरोमाइल, भूतनाथ, खेमनीचक और मलाही पकड़ी। खेमनीचक एलिवेटेड स्टेशन को एक्सचेंज स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां से कॉरिडोर-1 और कॉरिडोर-2, दोनों दिशाओं में जाने वाली मेट्रो उपलब्ध होगी।

फतुहा में ई-रिक्शा ड्राइवर-ग्रामीणों ने स्कॉर्पियो सवार को पीटा

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। नयका रोड स्थित मोहिउद्दीनपुर गांव के पास बिहटा-सरमेरा पथ पर एक ई-रिक्शा और स्कॉर्पियो की हल्की टक्कर हो गई। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक ने ग्रामीणों को बुलाकर स्कॉर्पियो सवारों पर हमला कर दिया। इस मारपीट में दो लोग घायल भी हुए हैं। स्कॉर्पियोसवार पीड़ितों ने आरोप लगाया कि, हमलावरों ने उनके गले से सोने की चेन और गाड़ी में रखे डेढ़ लाख रुपये छीन लिए। उनके हाथों और शरीर पर रॉड से हमले के निशान भी हैं।

इंश्योरेंस क्लेम का काम कर लौट रहे थे पीड़ितः आरा निवासी पीड़ित राजेश कुमार ने बताया कि, वे अपने तीन अन्य साथियों के साथ 'इंपीरियल एग्रो प्राइवेट लिमिटेड' में दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर के इंश्योरेंस क्लेम का काम पूरा कर आरा लौट रहे थे। मोहिउद्दीनपुर गांव के पास भारी जाम लगा था। तभी गलत दिशा से आ रहे एक ई-रिक्शा ने उनकी स्कॉर्पियो में टक्कर मार दी। स्कॉर्पियो सवारों ने जब इसका विरोध किया, तो ई-रिक्शा चालक बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर ई-रिक्शा चालक ने फोन कर गांव से लगभग 10 लोगों को बुला लिया।

ग्रामीणों ने स्कॉर्पियो को घेरा, शीशे तोड़े- पीड़ितः पीड़ित राजेश कुमार का आरोप है कि लोहे की रॉड से लैस होकर आए इन ग्रामीणों ने स्कॉर्पियो को घेर लिया और उसके शीशे तोड़ दिए। इस मारपीट में राजेश कुमार समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने फतुहा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

"साइबर सुरक्षा सतर्कता अभियान" का सफल आयोजन किया

लोकतंत्र की शान , पटना

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में विद्यार्थियों एवं कर्मियों को डिजिटल युग में सुरक्षित और सजग बनाने के उद्देश्य से "साइबर सुरक्षा सतर्कता अभियान" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समीत तिवारी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का विषय बन चुका है। उन्होंने कहा, "डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जहां जीवन को सरल बनाया है, वहीं साइबर अपराधों की चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नैतिकता एवं सतर्कता को भी अपनाना होगा। जागरूक नागरिक ही सुरक्षित समाज की आधारशिला रख सकते हैं।" उन्होंने विश्वविद्यालय में नियमित रूप से साइबर जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी संस्थान की सुरक्षा केवल भौतिक परिसर तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका डिजिटल तंत्र भी उतना ही सुरक्षित होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने पासवर्ड, ओटीपी एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी तथा संदिग्ध लिंक एवं फर्जी कॉल से सतर्क रहने का आग्रह किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, साइबर सेल, हाजीपुर की डीएसपी चांदनी सुमन ने साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों—जैसे ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग एवं डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी—पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि थोड़ी-सी असावधानी गंभीर आर्थिक एवं मानसिक क्षति का कारण बन सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं आधिकारिक पोर्टल पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया और कहा कि "सतर्कता ही साइबर सुरक्षा का प्रथम और सर्वश्रेष्ठ उपाय है।" कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमरीश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। अंत में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट ऋषु कुमार ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान विद्यार्थियों को जागरूक, जिम्मेदार एवं सजग नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का समापन साइबर सुरक्षा की शपथ एवं जागरूकता संकल्प के साथ हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई।

नीट छात्रा रेप-मौत केसः मनीष रंजन को नहीं मिली जमानत

कोर्ट की जांच अधिकारियों को फटकार, कहा- क्यों न आपके ऊपर ही केस कर दिया जाए?

लोकतंत्र की शान , पटना

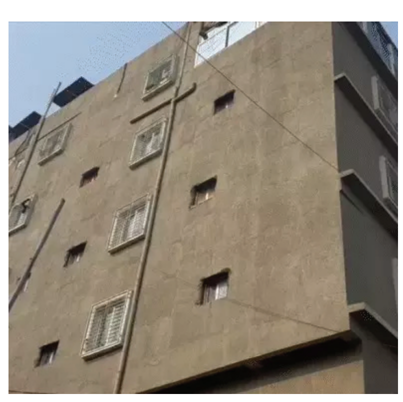

पटना के नीट छात्रा रेप-मौत मामले में जेल में बंद मनीष रंजन की जमानत याचिका पर गुरुवार को पटना के कोर्ट में सुनवाई हुई। करीब एक घंटा बहस चलने के बाद कोर्ट ने मनीष रंजन को जमानत नहीं दी है। अब तक की जांच पर कोर्ट ने सवाल उठाया है। लापरवाही सामने आने पर कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए जांच अधिकारियों को कहा कि क्यों न आपके ऊपर ही केस कर दिया जाए? सुनवाई के दौरान पटना पुलिस से सचिवालय SDPO-1 अन्नू कुमारी खुद मौजूद थीं। उनके साथ CBI की टीम भी मौजूद थी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

पिछले 43 दिनों से मनीष राजधानी के बेऊर जेल में बंद है। शम्भू गर्ल्स हॉस्टल जिस बिल्डिंग में चलाता था, मनीष उसी का मालिक है। मामले में बवाल बढ़ने के बाद पटना पुलिस ने मनीष के खिलाफ कार्रवाई की थी। छात्रा की मौत के तीसरे दिन यानी 14 जनवरी को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया। वहां से इसे ज्यूडिशियल कस्टडी में जेल भेज दिया गया। तब से मनीष बेऊर जेल में बंद है।

पटना पुलिस और CBI पर जांच में गड़बड़ी के आरोपः स्पेशल PP सुरेश चंद्र प्रसाद के अनुसार, पहले पटना पुलिस और फिर बाद में CBI ने इस केस की जांच में गड़बड़ी की है। मनीष रंजन को गिरफ्तार करने के बाद उससे कभी पूछताछ हुई ही नहीं। पुलिस ने कभी भी पूछताछ के लिए उसे रिमांड पर भी नहीं लिया। उन्होंने सवाल उठाया कि, 'जब केस CBI ने टेक ओवर किया तो केस को मजिस्ट्रेट कोर्ट में ही भेज दिया। जबकि, छात्रा के नाबालिग होने के कारण CBI को पॉक्सो कोर्ट में भेजना चाहिए था।' 28 फरवरी को जब इस मामले में अगली सुनवाई होगी, तब पुलिस और CBI को पूरी तैयारी करके आने को कहा है। कब किससे पूछताछ की और किसका बयान लिया गया है। इसकी पूरी चेन बनाकर लेकर आने को कहा है।

सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई है- पीड़ित पक्ष के वकीलः पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडेय ने बताया कि, 'सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई है, इस बात को रखा गया है। पुलिस ने मनीष रंजन का मोबाइल क्यों नहीं सीज किया? उसकी पड़ताल क्यों नहीं की? इस सवाल को उठाया गया है।' कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि मनीष रंजन को क्यों गिरफ्तार किया? इस पर अपना पक्ष रखते हुए बताया गया कि मनीष रंजन ही इस प्रकरण का मास्टरमाइंड है। कपडों पर सीमेन मिला, इसके बाद जांच हुई, लेकिन सवाल यह है कि ये लोग आज तक अपराधी तक कैसे पहुंच नहीं पाए।

बिहार में खुलेगा पहला वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स इन्क्यूबेशन सेंटर

लोकतंत्र की शान , पटना

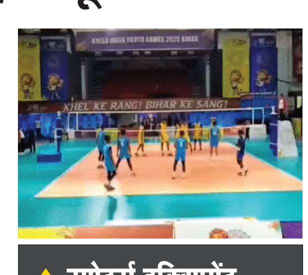

◆ स्पोर्ट्स इक्विपमेंट से लेकर स्पोर्ट्स साइंस तक, स्पोर्ट्स एंटरप्रेन्योरशिप का मिलेगा मौका

बिहार में खेलों के समग्र विकास के लिए जल्द ही एक वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स इन्क्यूबेशन सेंटर खोला जाएगा। यह राज्य का पहला ऐसा केंद्र होगा। इसकी स्थापना के लिए स्थान और अन्य औपचारिकताओं पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। इस इन्क्यूबेशन सेंटर में खेल की आधारभूत संरचनाओं, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट, स्पोर्ट्स साइंस, खेल के क्षेत्र में शोध एवं विकास, स्पोर्ट्स एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक तरीके से काम किया जाएगा। उद्देश्य यह है कि इन नवाचारों को प्रभावी ढंग से लागू कर खिलाड़ियों के प्रदर्शन में ठोस सुधार लाया जा सके।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि, 'खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, IIT पटना, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना और IIM बोधगया के संयुक्त मार्गदर्शन और प्रयास से राज्य में एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इन्क्यूबेशन सेंटर खोलने पर विशेषज्ञों के साथ विस्तार से चर्चा हुई। यह बुनियादी स्तर से लेकर उच्च स्तर के खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सकारात्मक बदलाव लाएगा।'

राजस्व वसूली में लापरवाही पर बिहार परिवहन विभाग सख्त

लोकतंत्र की शान , पटना

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी 2026 तक निर्धारित राजस्व लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं होने पर बिहार परिवहन विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभागीय स्तर पर की गई समीक्षा में यह सामने आया कि कई जिलों में राजस्व संग्रहण की प्रगति बेहद धीमी रही है और निर्धारित लक्ष्य से काफी पीछे है। इस स्थिति को देखते हुए राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थापित जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO), अपर जिला परिवहन पदाधिकारी (ADTO), मोटर वाहन निरीक्षक (MVI) एवं प्रवर्तन अवर निरीक्षक (Enforcement Sub-Inspector) सहित कुल 40 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

तीन दिनों में मांगा गया जवाबः परिवहन विभाग ने संबंधित अधिकारियों से तीन दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के ख़िलाफ़ प्रपत्र 'क' गठित कर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करना जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लक्ष्य के मुकाबले कम उपलब्धि को गंभीर प्रशासनिक शिथिलता माना गया है।

पटना में बना बिहार का पहला मॉडर्न श्मशान घाट

लोकतंत्र की शान , पटना

आदियोगी के तर्ज पर शिव प्रतिमा स्थापित, कैंटीन-वेटिंग हॉल भी मौजूद, ऑनलाइन कर सकते हैं स्लॉट बुक

पटना के बांस घाट में हाई टेक श्मशान घाट का निर्माण किया गया है, जो कि बिहार का पहला मॉडर्न श्मशान घाट माना जा रहा है। यह श्मशान घाट 4.5 एकड़ में फैला है, जिसे 89.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह पिछले श्मशान घाट से तीन गुना बड़ा है, जो केवल 1.24 एकड़ में फैला था। पटना स्मार्ट सिटी और बुडको इस पूरे श्मशान घाट को विकसित किया गया है।

श्मशान घाट में मोक्ष द्वार और बैकुंठ द्वार बनाए गएः इस श्मशान घाट में मुख्य आकर्षण का केंद्र श्मशान घाट के दो द्वार हैं, जिसमें से एक मोक्ष द्वार और दूसरा बैकुंठ द्वार है। दोनों द्वार 42 फीट ऊंचा है। इसमें से एक एंट्री और दूसरा निकास पॉइंट है। दोनों द्वार में कांसे से बना ओम चिन्ह भी स्थापित किया गया है। इन दोनों द्वार को जालंधर के कारीगर ने तैयार किया है।

अंतिम संस्कार की सामग्री के लिए बनाए गए 4 दुकानः श्मशान घाट में द्वार से अंदर इंटर करते ही बाएं साइड में 4 दुकानें बनाई गई हैं, जिसमें अंतिम संस्कार को लेकर सामग्री मिलेंगी। लोग पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार करने के लिए यहां से सामान खरीद सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अंतिम संस्कार करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों।

एक साथ 18 शवों के अंतिम संस्कार की मिलेगी सुविधाः बांस घाट के इस नए परिसर में एक साथ 18 शवों के अंतिम संस्कार की सुविधा मिलेगी। इसमें से 4 इलेक्ट्रिकल ओवन, 6 सेमी-इलेक्ट्रिकल और 8 ट्रेडिशनल तरीके से शव को जलाने की व्यवस्था है। इनमें चार इलेक्ट्रिक ओवन गुजरात से मंगाए गए हैं, जबकि 6 वुड क्रीमेसन ओवन बिहार की ही कंपनी ने तैयार किया हैं। इलेक्ट्रिक वाले में 15-20 मिनट में शव जलकर राख हो जाएंगे, जिसके लिए इलेक्ट्रिक पैनल भी बनाया गया है। इलेक्ट्रिक शवदाहगृह पारंपरिक लकड़ी के मुकाबले 90 फीसदी कम प्रदूषण फैलाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित व्यक्ति ने कहा पुलिस नहीं लिख रही है उनकी रिपोर्ट

लोकतंत्र की शान : करनालः निवासी अनुज सिंगला ने पत्रकारों को जानकारी देते कहा मधुबन पुलिस लंबे समय से उनकी शिकायत दर्ज नहीं कर रही है जिससे वह काफी परेशान है उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा वह अपने बिजनेस के सिलसिले में कुछ समय के लिए बाहर गए थे उसके बाद कुछ लोगों ने उनके ऑफिस की बिल्डिंग को तोड़ दिया गया जिसकी शिकायत उन्होंने 5 फरवरी को पुलिस को दी थी मगर पुलिस ने कोई खास कार्रवाई नहीं कि उसके बाद वही लोग दोबारा 14 फरवरी को उनके ऑफिस में गए और ऑफिस की पहली मंजिल को तोड़ दिया गया । जिस पर पुलिस को सूचित करने पर डायल 112 टीम मौके पर पहुंची उन्होंने तोड़फोड़ करने वालों को रोका व मौके पर मौजूद तोड़फोड़ करने आए व्यक्तियों ने स्वीकारा कि उन्होंने कथित ठेकेदार हरीश के निर्देश पर यहां आए हैं मजदूर ने ही हरीश ठेकेदार का नंबर पुलिस को दे दिया गया उसके बावजूद भी पुलिस ने अभी तक कोई उचित कार्रवाई नहीं की । थाना मधुबन एसएचओ गौरव कुमार ने बताया कि यह उनका पारिवारिक मामला है मामले की जांच चल रही है दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी

श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र के साथ रासलीला का हुआ समापन

» हजारों भक्तों ने उर्मिलेश्वर धाम में ग्रहण किये भंडारे का प्रसाद
» श्रीरामकृष्ण लीला प्रचार मंडल वृन्दावन के व्दारा रासलीला की प्रस्तुति

लोकतंत्र की शान सीधी। उर्मिलेश्वर धाम तिलक नगर पडरा में परम पूज्य दण्डी स्वामी निर्भायानंद सरस्वती के सानिध्य में वरिष्ठ समाजसेवी विनय कुमार सिंह परिहार के सौजन्य से आठ व्दिवसीय श्री राधाकृष्ण रासलीला का श्रीकृष्ण सुदामा के चरित्र के साथ भव्य समापन हुआ। लीला के समापन अवसर डां. राजेश मिश्रा सांसद सीधी, अंजू लता पटले, पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जबलपुर, श्रीमती बबिता करें सीएमएचओ सीधी डां. एस बी खरे विनय कुमार सिंह परिहार अखिलेश पाण्डेय ने युगल सरकार की आरती कर आशीर्वाद लिये। बुधवार को रासलीला का शुभारंभ श्रीराधाकृष्ण की निकुंज लीला से किया गया। श्री रामकृष्ण लीला प्रचार मंडल के व्यास स्वामी बृजेश शर्मा ने हरिभक्तों के पदों का गायन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात लीला में श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र का विस्तार से मंचन किया गया।

पानीपतः शिक्षा विभाग ने लिया अहम फैसला प्रवक्ताओं से वापस ली डीडीओ की शक्तियां

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत के जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बुरा ने पानीपत जिले के सरकारी स्कूलों की प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। नए आदेश के अनुसार, जिन स्कूलों में प्रधानाचार्य के पद खाली हैं और वहां प्रवक्ताओं को डीडीओ नियुक्त किया गया था, उनके अधिकार तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। शिक्षा निदेशालय के द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि रिक्त पद होने की स्थिति में अब प्रवक्ता वित्तीय शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। अब इन शक्तियों को वापस लेकर नजदीकी स्कूलों के नियमित प्रधानाचार्यों को सौंपा गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिन स्कूलों में प्रवक्ताओं के पास डीडीओ की पावर थी, उन्हें तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। ऐसे स्कूलों की वित्तीय शक्तियां पास के किसी अन्य विद्यालय के नियमित प्रधानाचार्य को देने का प्रस्ताव जल्द से जल्द मुख्यालय भेजा जाए ताकि शिक्षकों के वेतन और स्कूल के अन्य जरूरी कार्यों में कोई रुकावट न आ पाए। नए आदेश की प्रतियां माध्यमिक शिक्षा निदेशक पंचकूला, खजाना अधिकारी, और जिले के सभी संबंधित स्कूलों के मुखियाओं को भेज दी गई हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेशों में स्पष्ट कहा है कि इस मामले में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

35वीं वाहिनी, आईटीबीपी ने मनाया सेवानिवृत्त सैनिक दिवस

लोकतंत्र की शान : उत्तरकाशी। 35वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, माहिडाण्डा में सेवानिवृत्त सैनिक दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कमांडेंट भानु प्रताप सिंह ने सेवानिवृत्त पदाधिकारियों का बधाई दी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पदाधिकारियों को उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया गया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस समारोह में बटालियन के सीमा क्षेत्र में निवास करने वाले सीएपीएफ के सेवानिवृत्त कार्मिकों, दिवंगत एवं शहीदों के आश्रितों ने हिस्सा लिया। जिसमें सबसे उम्रदराज पूर्व सैनिक और अध्यक्ष व उपाध्यक्ष भूतपूर्व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल उत्तरकाशी को प्रतिक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सैनिकों ने अपने सेवाकाल की प्रेरणादायक अनुभूतियों और महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कमांडेंट ने कहा कि बटालियन स्तर की समस्याओं का समाधान तत्काल किया जाएगा और जिन समस्याओं का समाधान नहीं किया जा सकता, उन्हें उच्च मुख्यालय भेजा जाएगा। इस मौके पर वाहिनी के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, हिमवीर , बचन सिंह नेगी, सेवानिवृत्त उप सेनानी, संरक्षक, एवं एस०एस० कुन्दरा, सेवानिवृत्त निरीक्षक, उध्यक्ष, भूतपूर्व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल एसोसिएशन उत्तरकाशी के अध्यक्ष तथा सेवानिवृत्त पदाधिकारी एवं दिवंगत कार्मिकों के आश्रित मौजूद रहे।

पलवल के छांयसा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर हमला, महिलाओं समेत चार घायल, 19 पर मामला दर्ज

लोकतंत्र की शान , पलवल। पलवल जिले के छांयसा गांव में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस घटना में दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। हथीन थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 19 नामजद सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हथीन थाना प्रभारी हरी किशन ने गुरूवार को बताया कि गांव छांयसा निवासी नसीम ने शिकायत में कहा है कि दोपहर करीब दो बजे उसके चार वर्षीय भतीजे का हाथ पड़ोस की एक युवती से छू जाने पर कहासुनी हो गई। इसके बाद आरोपी पक्ष के तमिम, आस मोहम्मद, कामिल, रौनक, नाजरीन सहित अन्य लोग एकत्रित होकर उनके घर में घुस आए। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने घर का गेट तोड़ दिया और पथराव शुरू कर दिया। उनके हाथों में दरात, लाठी और डंडे थे। हमलावरों ने नूर निशा, मुसर्रफ, संजीदा और नसीम सहित अन्य लोगों के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आई महिलाओं को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा, जिससे वे भी घायल हो गईं। घटना की सूचना डायल 112 पर पुलिस को दी गई।

सीधा संवाद, सीधा समाधानः महापौर की पहल से बढ़ा जनविश्वास

महापौर जनसुनवाई में दिखी प्रशासनिक सक्रियता,त्वरित निराकरण से नागरिकों को मिली राहत

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : विगत24 फरवरी- नगर निगम कार्यालय स्थित मेयर इन काउंसिल कक्ष में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याओं पर गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनवाई की गई। सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चली जनसुनवाई में विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएँ सीधे महापौर के समक्ष रखीं। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने प्रत्येक आवेदन पर व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मामलों का निराकरण तत्काल संभव है, उन्हें प्राथमिकता के साथ मौके पर ही हल किया जाए। जनसुनवाई में कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 16 प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर नागरिकों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान सड़क मरम्मत, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण, राजस्व प्रकरण एवं प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्याएँ प्रमुख रूप से सामने आईं। महापौर ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि नागरिकों की समस्याओं को लंबित न रखा जाए और प्रत्येक आवेदन पर पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्यवाही की जाए।

पीएनबी ने करनाल में एमएसएमई ग्राहक मिलन कार्यक्रम किया आयोजित

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल : पंजाब नेशनल बैंक ने 25 फरवरी 2026 को प्रेम प्लाज़ा, करनाल में एमएसएमई ग्राहकों के लिए एक ग्राहक मिलन कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 45 एमएसएमई ग्राहकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बैंक ने राइस शेलर्स एवं टिम्बर मर्चेंट्स के लिए अपनी क्लस्टर आधारित ऋण योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें आकर्षक ब्याज दरों पर वित्त उपलब्ध कराया जा रहा है। इस आयोजन से लगभग 80 करोड़ के नए व्यवसायिक लीड्स प्राप्त हुए। कार्यक्रम में भारत सरकार के एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, करनाल के अतिरिक्त विकास आयुक्त श्री संजीव चावला तथा हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के राज्य उपाध्यक्ष श्री आर. एल. शर्मा उपस्थित रहे। पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारियों में अंचल कार्यालय चंडीगढ़ से उप महाप्रबंधक श्री सुरेश कुमार शर्मा, करनाल मंडल प्रमुख श्री त्रिमूर्ति शिव पांडे, उप मंडल प्रमुख श्री रजत शर्मा एवं एमसीसी प्रमुख श्री विजय राज सिंह राठौड़ शामिल रहे। पीएनबी अधिकारियों ने एमएसएमई क्षेत्र को समयबद्ध एवं आवश्यकता आधारित ऋण सुविधाएं प्रदान करने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता दोहराई।

दहेज प्रताड़ना से तंग महिला फांसी पर झूली

» मायके वालों ने पति सहित ससुराल पक्ष के खिलाफ लगाया आरोप

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक नवविवाहिता ने फांसी लगा कर आत्म हत्या कर ली है। महिला की मौत से नाराज मायके पक्ष वालों ने पति सहित ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कठोर कार्रवाई की मांग उठाई है। घटना के संबंध में अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी अनुसार मृतिका श्रीमती मालती साकेत पति राजबहादुर साकेत उम्र 27 वर्ष निवासी लहिया ने बीती रात अज्ञात कारणों से घर में ही फांसी लगाकर जान दे दी है। घटना की जानकारी मिलने बाद मायके पक्ष वालों में भारी आक्रोश देखने को मिला है। इस संबंध में मृतिका के भाई ने बताया कि 5 वर्ष पहले वर्ष 2021 में रामसखा साकेत निवासी लहिया के छोटे लड़के राजबहादुर साकेत के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ किए थे अपनी क्षमता के अनुसार दान दहेज दिए थे शादी के 2-3 माह बाद से ही वहन मालती साकेत के साथ मारपीट करने लगे थे जो कई बार घर में बताई थी, सामाजिक कारणों से रिपोर्ट नहीं किए थे। 25 फरवरी को रात करीब 11 :30 बजे मेरी बड़ी बहन के पास मालती के पति राजबहादुर उर्फ पप्पू ने फोन करके बताया कि आज दिन में मैं पेशी कि गया था घर में मालती और भाभी आशा थीं जिनके बीच वाद विवाद हुआ है शाम को मैं घर आया हूं तो मेरा और मालती का भी झगड़ा हुआ है उसके बाद मालती कमरे में जाकर फांसी लगा ली है, मुझे मेरी बहन राखी ने पूरी बात बताई। मृतिका के भाई द्वारा लगाए गए आरोप अनुसार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाईल दुकान का शटर तोड़कर लाखों के मोबाईल चोरी करने वाले आरोपी चढ़े कोतवाली पुलिस के हत्थे, कब्जे से 3.50 लाख रु के मोबाइल बरामद

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : गत दिनो 20-21.02.2026 की दरमियानी रात थाना कोतवाली कटनी अंतर्गत सब्जी मंडी पलाश होटल के पीछे स्थित मोबाईल युग स्टोर दुकान में शटर तोड़कर लाखों रूपये के मोबाईल फोन चोरी करने वाले अंतर्राज्जीय गिरोह के 03 सदस्यों को गिरफ्तार करने में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 21.02.2026 को फरियादी फरियादी गांधी हिन्दुजा पिता विशनदास हिन्दुजा उम्र 26 वर्ष नि. शास्त्री कालोनी गली नं. 02 कटनी का थाना कोतवाली कटनी में रिपोर्ट लेख कराया कि इसकी सब्जी मंडी कटनी में मोबाईल युग के नाम से मोबाईल फोन की दुकान है। दिनांक 21.02.2026 को सूचना मिली की कोई अज्ञात चोर दुकान का शटर तोड़कर दुकान में रखे ओप्पो, वीवो, रीयलमी कंपनी के करीब 20 मोबाईल फोन चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कटनी में अप.क्र. 204/2025 धारा 331 (4), 305 (ए) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन, श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. राखी पाण्डेय को टीम बनाकर आरोपियों की पता तलाश कर माल मशरूका बरामद किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बैगा समुदाय के बीच पहुंचे राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

» ओम प्रकाश बैगा को प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत पक्के घर की दी बधाई
» परिवार और बच्चों के साथ संवाद
» माता-पिता की सेवा ही प्रथम कर्तव्य- राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

लोकतंत्र की शान

सीधी। मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अपने सीधी जिले के प्रवास के दौरान आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र चमराडोल पहुँचकर बैगा समुदाय के ओम प्रकाश बैगा के परिवार से आत्मीय संवाद किया और शासन की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जाना। राज्यपाल ने ओम प्रकाश बैगा को प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पक्का आवास मिलने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में स्थिरता और सुरक्षा लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। संवाद के दौरान परिवार ने बताया कि उन्हें शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओ का सीधा लाभ मिल रहा है क्षेत्र में बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ओम प्रकाश बैगा के बच्चों के साथ विशेष रूप से संवाद किया और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भविष्य के निर्माण में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षित होकर ही बच्चे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जागरूकता के साथ शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें नियमित स्कूल भेजें। राज्यपाल ने ओम प्रकाश के बच्चों शिवानी, शिवम और पुष्पेन्द्र से विशेष रूप से मुलाकात कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने बच्चों से कहा कि अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहना आवश्क है। उन्होंने बच्चों को निरंतर सीखने और आगे बढ़ने का प्रोत्साहन दिया। शिक्षा के साथ-साथ राज्यपाल ने नैतिक मूल्यों पर भी जोर दिया। उन्होंने बच्चों को समझाते हुए कहा कि जीवन में कितनी भी ऊँचाई प्राप्त कर लें, लेकिन माता-पिता की सेवा करना सदैव आपका प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के आशीर्वाद से ही जीवन की कठिन राहें आसान होती हैं और व्यक्ति संस्कारवान होता है। इस अवसर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में दो युवको की मौत अस्पताल में परिजनों ने किया हंगामा

लोकतंत्र की शान

सीधी। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। हंगामे की खबर मिलने पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया, मृतक के परिजनों से बातचीत के बाद उन्हें न्याय का भरोसा दिलाते हुए हंगामे को शांत कराया गया। गौरतलब हो कि राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के रजडिहा गांव में एक ढाबे के सामने से बाइक पर जा रहे विजय बहादुर साकेत को सामने से आ रही एक कार चालक ने टक्कर मार रफू चक्कर हो गया, मौके पर मौजूद ढाबा संचालक सहित अन्य लोगों ने घायल को उसी की बाइक से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया और घटना के संबंध में परिजनों को सूचित किया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान दूसरे दिन मौत हो गई, जिससे नाराज परिजनों ने ढाबा संचालक पर ही आरोप लगाने लगे। हालांकि पुलिस ने घटना स्थल का सीसीटीवी फुटेज भी निकलवा लिया है, जिसमें घटना के कारणों को साफ देखा जा सकता है।

एक लाख रुपए की रिश्वत लेते भू-अर्जन अधिकारी गिरफ्तार

» लोकायुक्त रीवा की पुलिस टीम ने दी दबिश
» पूर्व में आरोपी के खिलाफ हो चुकी है आय से अधिक संपत्ति की कार्यवाही

रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो लोकतंत्र की शान

सीधी। लोकायुक्त रीवा की टीम ने एक बार फिर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की हैं, इस बार भू-अर्जन शाखा में पदस्थ सहायक भू अर्जन अधिकारी भूपेन्द्र पांडेय को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया है। इस कार्रवाई से समूचे विभाग में हड़कंप मच गया। यह कार्यवाही एस मरावी निरीक्षक एवं उपेंद्र दुबे निरीक्षक लोकायुक्त कार्यालय रीवा के द्वारा 12 सदस्यीय टीम के साथ की गई। उल्लेखनीय है कि फरियादी शिव बहोर तिवारी निवासी सदला की जमीन फोर लेन सड़क निर्माण परियोजना में अधिग्रहित हुई थी। जिसका मुआवजा भूमि के मूल्यांकन अनुसार नहीं किया गया था, जिसके चलते पीड़ित ने कमिश्नर न्यायालय रीवा में अपील की थी, अपील उपरांत भूमि का मूल्यांकन निर्धारित दर पर करने का आदेश किया गया था, लेकिन भू अर्जन विभाग द्वारा लगातार पीड़ित किसान को परेशान किया जा रहा था। अन्ततः वह परेशान हो कर लोकायुक्त पुलिस की शरण में गया। जिसके बाद लोकायुक्त पुलिस रीवा ने शिकायत का परीक्षण करने के बाद आज गुरुवार को सहायक भू अर्जन अधिकारी भूपेन्द्र पांडेय को एक लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। बता दें कि जमीन के मुआवजा भुगतान के एवज में आरोपी भूपेंद्र पांडेय द्वारा 50 प्रतिशत राशि की मांग की जा रही थी। जबकि फरियादी पहले ही एक लाख रुपये दे चुका था, इसके बावजूद शेष भुगतान के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत लोकायुक्त एसपी से की थी, जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की। तय रकम लेते समय आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। ट्रैप के दौरान आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई की गई और आरोपी को हिरासत में लिया गया।

आरोपी के खिलाफ पूर्व से भी दर्ज है मामला

आरोपी भूपेंद्र पाण्डेय जोनल अधिकारी भू-अर्जन शाखा कलेक्टर कार्यालय सीधी शिकायतकर्ता से 100000/–रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप कर कार्यवाही की गई,आरोपी के विरुद्ध धारा 7 (क)भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। बता दे की आरोपी भूपेंद्र पाण्डेय के विरुद्ध पूर्व में भी लोकायुक्त रीवा में अपराध 250/2019 धारा 13(1)बी 13(2) पी सी एक्ट 1988 का संसोधन अधिनियम 2018 का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही जो आरोपी के विरुद्ध पद का दुरपयोग कर आय से अधिक सम्पत्ति का मामला पूर्व से ही प्रकरण पंजीबद्ध है, लोकायुक्त पुलिस रीवा द्वारा आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत की गई इस कार्यवाही से समूचे कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मच गया।

यह है यह पूरा मामला

शिकायतकर्ता द्वारा दिनांक 23 फरवरी 2026 को लोकायुक्त कार्यालय रीवा में शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें लेख किया कि मेरी पत्नी श्रीमती सुशीला तिवारी के नाम दर्ज रकवा 0.0380 हे0 भूमि जो सीधी सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण हेतु शासन ने वर्ष 2012-13 में अधिग्रहित किया था जिसमें मूल्यांकन अधिकारी द्वारा गलत मूल्यांकन किया गया था जब मैंने मुआवाजा की राशि के भुगतान के संबंध में कलेक्टर कार्यालय सीधी के भू-अर्जन शाखा के जोनल अधिकारी भूपेंद्र पाण्डेय से मिल कर बात किया तो भूपेंद्र पाण्डेय ने कहा की आपकी मुआवाजा की राशि 2700000/- रूपये होती हैं जिसका 50 प्रतिशत के हिसाब से 1350000/- रूपये रिश्वत के रूप में देना होगा तभी आपका मुआवजा का भुगतान होगा यदि पैसे नहीं दोगे तो भुगतान नहीं होगा जिसकी शिकायत प्राप्त होने पर लोकायुक्त संभाग रीवा द्वारा यह कार्यवाही की गई।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 100 नेपाली नागरिकों को स्वदेश भेजे जाने की तैयारी

काठमांडू। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 100 से अधिक नेपाली नागरिकों को एक साथ स्वदेश भेजने की तैयारी की है। वाशिंगटन डीसी स्थित नेपाली दूतावास ने संबंधित व्यक्तियों की नागरिकता और पहचान का प्रमाणीकरण कर लिया है। दूतावास की तरफ से जानकारी दी गई है कि अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें तत्काल काठमांडू भेजने की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी कारणों से प्रक्रिया में कुछ दिनों की देरी हो रही है। सूची में शामिल अधिकांश लोग वे युवक हैं, जो मेक्सिको के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किए थे। वाशिंगटन डीसी स्थित नेपाली दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि नागरिकों के दस्तावेजों का प्रमाणीकरण दूतावास की नियमित जिम्मेदारी है। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की सूची के आधार पर दूतावास ने उनकी नेपाली नागरिकता की पुष्टि कर दस्तावेज वापस भेज दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिनकी नागरिकता प्रमाणित हो चुकी है, वे अब नेपाल लौटेंगे। चूंकि, अधिकांश अवैध प्रवासियों के पास पासपोर्ट नहीं है, इसलिए उन्हें 'एकतर्फी यात्रा अनुमति पत्र' जारी किए जाने के बाद ही विमान से भेजा जाता है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल संभालने के बाद आव्रजन नीति में कड़ी सख्ती की गई है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में ही 80 नेपाली नागरिक डिपोर्ट किए गए थे, जबकि फरवरी तक यह संख्या बढ़कर 101 हो गई है। ट्रम्प प्रशासन के कार्यभार संभालने के बाद से अब तक लगभग 800 से अधिक नेपाली नागरिकों को डिपोर्ट किया जा चुका है।

नेपाल-भारत के बीच हुए जैविक विविधता संरक्षण संबंधी द्विपक्षीय समझौता पर हस्ताक्षर

काठमांडू। नेपाल और भारत के बीच जैविक विविधता संरक्षण संबंधी द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारतीय दूतावास की तरफ से गुरुवार को जानकारी दी गई कि नई दिल्ली में नेपाल के वन तथा वातावरण मंत्री माधवप्रसाद चौलागाईं और भारत के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में यह करार हुआ। समझौते पर नेपाल की ओर से राजदूत डॉ. शंकरप्रसाद शर्मा तथा भारत की ओर से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों देशों के उच्च पदस्थ अधिकारी भी उपस्थित थे। नेपाल वन मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ. महेश्वर ढकाल ने बताया कि नेपाल और भारत संयुक्त राष्ट्र अंतर्गत जैविक विविधता सहित विभिन्न पर्यावरण संरक्षण संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधियों के पक्षकार राष्ट्र हैं। दोनों देशों की साझा सीमा से जुड़े क्षेत्रों में संरक्षित क्षेत्र और जैविक कॉरिडोर मौजूद हैं, जहां हाथी, गैंडा और बाघ सहित कई वन्यजन्तु स्वतंत्र और निर्बाध रूप से सीमा पार आवागमन करते हैं। इस समझौते के माध्यम से दोनों देश संरक्षित क्षेत्रों के प्रबंधन, जैविक विविधता संरक्षण, वन्यजन्तु अपराध नियंत्रण, साझा रणनीति अपनाने तथा क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की क्षमता विकास में समन्वय और सहयोग बढ़ाने की अपेक्षा कर रहे हैं। वन मंत्री चौलागाईं के अनुसार यह समझौता सीमा पार क्षेत्रों में वन्यजन्तु चोरी-शिकार और अवैध व्यापार के नियंत्रण, अध्ययन-अनुसंधान और निगरानी को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर जनचेतना और क्षमता विकास में भी सहायक होगा। समझौते के कार्यान्वयन से सीमा क्षेत्रों में नियमित गश्ती और बैठकों के आयोजन, अनुभव और ज्ञान के आदान-प्रदान, श्रेष्ठ प्रथाओं के विकास और विस्तार तथा वन्यजन्तु एवं अवैध व्यापार संबंधी सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों की जैविक विविधता संरक्षण को मजबूती मिलेगी। नेपाल की ओर से इस समझौते के क्रियान्वयन के लिए केंद्र स्तर पर मंत्रालय तथा उसके अधीन वन तथा भू-संरक्षण विभाग और राष्ट्रीय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग कार्य करेंगे। स्थानीय स्तर पर संबंधित प्रदेशों के वन तथा वातावरण मंत्रालय, संरक्षित क्षेत्र और डिविजनल वन कार्यालय समन्वय और सहयोग करेंगे। समझौते के अनुसार जब तक किसी एक पक्ष द्वारा कूटनीतिक माध्यम से लिखित सूचना देकर इसे समाप्त नहीं किया जाता, यह समझौता प्रत्येक पाँच वर्ष में स्वतः नवीनीकृत होगा तथा हर तीन वर्ष में इसकी समीक्षा की जाएगी। कार्यान्वयन के दौरान उत्पन्न किसी भी समस्या का समाधान आपसी समझदारी से किया जाएगा।

मतदान से ठीक पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा परिवार सहित सिंगापुर पहुंचे

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाली कांग्रेस के पदच्युत पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा आगामी प्रतिनिधि सभा चुनाव से पहले सिंगापुर रवाना हो गए हैं। पांच बार के प्रधानमंत्री और दस वर्षों तक पार्टी के लगातार अध्यक्ष रहे देउवा खुद को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाए जाने के कारण नाराज चल रहे थे। इसीलिए चुनाव प्रचार के लिए आग्रह किए जाने के बावजूद वो कभी अपने निवास से बाहर नहीं निकले। मतदान से एक हफ्ते पहले अचानक से सिंगापुर चले जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि वो अब मतदान में भी नहीं करने वाले हैं। देउवा के साथ सिंगापुर गए उनके सहयोगी भानु देउवा ने गुरुवार को सिंगापुर पहुंच कर फेसबुक पर यह जानकारी दी है। उनके अनुसार देउवा बुधवार देर रात 11 बजे काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से सिंगापुर एयरलाइंस के विमान एसक्यू 441 उड़ान से सिंगापुर गए। भानु देउवा ने बताया कि वे उपचार के लिए परिवार के सदस्यों के साथ रवाना हुए हैं। शेर बहादुर देउवा के साथ उनके बेटे जयवीर, उनकी बहू और निजी सहयोगी भानु देउवा सिंगापुर गए हैं। उनकी पत्नी तथा पूर्व विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा इस समय भारत के मध्य प्रदेश में हैं। नेपाली कांग्रेस के 15 जनवरी को हुए विशेष महाधिवेशन के बाद गगन थापा के नेतृत्व में नई कार्यसमिति का चुनाव हुआ था। नेपाल के निर्वाचन आयोग की ओर से थापा नेतृत्व वाली समिति को आधिकारिक मान्यता दिए जाने के बाद से देउवा पार्टी और राजनीतिक गतिविधियों से पूरी तरह निष्क्रिय रहे हैं। इससे पहले 8 और 9 सितंबर को आयोजित जेन-जी आंदोलन के दौरान घायल होने के बाद भी देउवा उपचार के लिए सिंगापुर गए थे। हालांकि, नेपाल में राजनीतिक हालात में सुधार होने के बाद शेर बहादुर देउवा ने काठमांडू से वापस आकर पार्टी राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई, लेकिन विशेष महाधिवेशन से उनको पद से हटाने का निर्णय करने के बाद नाराज होकर निष्क्रिय हो गए। पार्टी ने उन्हें इस बार उम्मीदवार भी नहीं बनाया। उनकी इच्छा थी कि वो आखिरी बार चुनाव लड़ें। देउवा अपने परम्परागत निर्वाचन क्षेत्र सुदूर पश्चिम प्रदेश के डडेलधुरा से लगातार आठ बार से चुनाव जीतते आ रहे हैं। पार्टी ने इस बार वहां से अपने ही युवा संघ के पूर्व अध्यक्ष नैन सिंह महर को टिकट दिया है।

दिल्ली में नौकरानी ने मालिक के घर फर्जी रेड कराई

नई दिल्ली। दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक नौकरानी ने अपने मालिक के घर पर फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ED) रेड कराई। मामला 11 फरवरी का है। 25 फरवरी को पुलिस ने रेखा देवी नाम की मेडिकल और उसकी भाभी पूजा राजपूत को पूरी साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 11 फरवरी को पुलिस की वर्दी पहने तीन लोग ED अफसर बनकर 86 साल के रिटायर्ड आर्किटेक्ट आरसी सभरवाल के घर में जबरन घुस गए। आरोपियों ने परिवार को धमकाया और तलाशी के दौरान मोबाइल फोन जब्त कर लिए। सभरवाल के पोते को शक हुआ तो उसने पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद तीनों आरोपी लगभग 3-4 लाख रुपये कैश, सात महंगी घड़ियां और गहने लेकर कार में फरार हो गए। पुलिस ने 24 फरवरी को मामला दर्ज करने के बाद इसकी जांच शुरू की थी। पुलिस ने 350 से अधिक CCTV कैमरों के फुटेज को खंगाला। अंत में एक ब्लू रंग की मारुति सुजुकी बलेनो पर शक हुआ। पुलिस ने घटनास्थल से कार की आवाजाही का पता लगाया तो पता चला कि कार सराय काले खान से होते हुए गाजीपुर बॉर्डर से उत्तर प्रदेश में दाखिल हुई थी। इसके बाद कार गाजियाबाद के वैशाली में एक घर के पास खड़ी देखी गई। कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर, पुलिस ने पता लगाया कि दिल्ली में लूट वाली जगह यानी न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और वैशाली में कार की पार्किंग वाली जगह पर कौन से मोबाइल नंबर एक्टिव थे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़

सनकी और क्रूर शासन को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

मिडिल ईस्ट में अमेरिकी वॉरशिप और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा। वेंस ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा- हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं और वे उनका इस्तेमाल करने की इच्छा दिखा चुके हैं। ट्रम्प ने बुधवार को संसद में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया था कि ईरान अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलें विकसित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिकी हमलों के बाद अपने परमाणु कार्यक्रम

को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

वेंस बोले- बातचीत का अंतिम फैसला ट्रम्प के हाथ में है: जब वेंस से पूछा गया कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता को हटाना भी अमेरिका का लक्ष्य है, तो उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। वेंस ने कहा कि बातचीत कितने समय तक जारी रखनी है, इसका अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। उन्होंने कहा- हम कोशिश जारी रखेंगे। लेकिन राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वे तय करें कि कूटनीति अपनी सीमा तक पहुंच गई है या नहीं। हमें उम्मीद है कि इस बार बातचीत बुरे अंजाम तक नहीं पहुंचेगी, लेकिन अगर पहुंचती है तो फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान अगले दो हफ्तों में ज्यादा बड़ा प्रस्ताव देगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच मतभेद कम किए जा सकें।

ईरान और अमेरिका के बीच तीसरे दौर की बातचीत आज: यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के अधिकारी गुरुवार यानी आज जिनेवा में तीसरे दौर की बातचीत करेंगे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची अपनी टीम के साथ जिनेवा पहुंच चुके हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मिडिल ईस्ट दूत स्टीव विटकॉफ करेंगे। वॉशिंगटन इस बीच 'मैक्सिमम प्रेशर' अभियान के तहत नए प्रतिबंधों की भी तैयारी कर रहा है। ईरान ने जिनेवा वार्ता से पहले अमेरिकी दबाव की रणनीति को खारिज किया। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रम्प के बयानों को झूठ बताया और उन पर दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया। ट्रम्प ने कई बार चेतावनी दी है कि वार्ता विफल होने पर अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। क्षेत्रीय देशों को आशंका है कि ऐसा कदम संघर्ष को जन्म दे सकता है। ईरान पहले ही चेतावनी दे चुका है कि किसी भी हमले की स्थिति में मिडिल ईस्ट में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य अड्डे उसके निशाने पर होंगे। इससे क्षेत्र में तैनात हजारों अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

राहुल बोले- यह इंडिया है, नॉर्थ कोरिया नहीं, शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट डेमोक्रेसी की आत्मा

एजेंसी, नई दिल्ली

नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को यूथ कांग्रेस मेंबर्स के खिलाफ एक्शन पर राहुल ने PM मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि PM मोदी की सरकार और नॉर्थ कोरिया के तानाशाही शासन एक जैसा है। ये इंडिया है, नॉर्थ कोरिया नहीं।

दरअसल, दिल्ली में आयोजित AI समिट के दौरान यूथ कांग्रेस मेंबर्स ने शर्ट उतार कर प्रोटेस्ट किया था। इस संबंध में दिल्ली पुलिस 3 सदस्यों को गिरफ्तार करने शिमला पहुंची थी। इसके बाद हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस को उन्हें ले जाने से रोक लिया था। राहुल ने ये बातें गिरफ्तार तीन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली वापस लाने की इजाजत मिलने के बाद कहीं।

सोचिए मुद्दा कोई भी हो, अगर आप सत्ता के खिलाफ संवैधानिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तो लाठी, मुकदमा और जेल, यह लगभग तय है। पेपर लीक से त्रस्त युवाओं ने अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई, जवाब मिला लाठियों से। देश की गौरवशाली महिला पहलवानों ने BJP के प्रभावशाली नेता पर लगे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। उनकी पुकार को बदनाम किया गया, आंदोलन को कुचला गया, और उन्हें सड़कों से जबरन हटाया गया। एक बलात्कार पीड़ित के समर्थन में इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ। न्याय की मांग को व्यवस्था के लिए असुविधा मानकर हटा दिया गया। युवा कांग्रेस ने देश का अहित करने वाले US ट्रेड डील का शांतिपूर्ण विरोध किया तो उन्हें देशविरोधी बताकर गिरफ्तार कर लिया। जब आम लोग जहरीली हवा के खिलाफ खड़े हुए, तो पर्यावरण की चिंता को भी राजनीति कहकर दबा दिया गया। जब किसानों ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन किया, तो उन्हें देशविरोधी करार दिया गया। आंसू गैस, रबर की गोलियां, पानी की बौछारें और लाठियां, यही संवाद का माध्यम बना।

♦ यूथ कांग्रेस मेंबर्स के खिलाफ एक्शन पर पीएम मोदी की आलोचना की

'करप्शन इन ज्यूडीशियरी' वाली एनसीईआरटी किताब पर बैन

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' चैप्टर वाली NCERT के 8वीं क्लास की सोशल साइंस की किताब बैन कर दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने किताब छापने और बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि जो किताबें छप चुकी हैं, उसे जब्त कीजिए और डिजिटल कॉपियों को भी हटाइए। कोर्ट ने इस मामले में NCERT डायरेक्टर और केंद्रीय शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने को भी कहा है।

CJI ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की गहरी और सोची-समझी साजिश लगती है। जिम्मेदारों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं होगा। NCERT पर अवमानना की कार्रवाई भी हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि विवादित चैप्टर को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और उसका अपमान करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है।

यूथ कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी पर 18 घंटे हाईवोल्टेज ड्रामा, हिमाचल पुलिस ने 2 बार दिल्ली पुलिस को रोका

एजेंसी, शिमला

दिल्ली में AI समिट में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने के आरोप में 3 यूथ कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर बुधवार को हिमाचल और दिल्ली पुलिस में टकराव हो गया। दिल्ली पुलिस ने शिमला के एक होटल से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 3 नेताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन हिमाचल पुलिस ने उन्हें आधे रास्ते में रोक लिया और दिल्ली नहीं ले जाने दिया।

हिमाचल पुलिस का तर्क था कि इस बारे में दिल्ली पुलिस ने कोई औपचारिक सूचना नहीं दी। हिमाचल में सादे कपड़ों में आकर मेहमानों को उठाया गया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान भी दोनों पुलिस में बहस होती रही। इसके बाद जज ने फाइल तैयार करने को कहा तो दिल्ली पुलिस फिर बिना कागजी कार्रवाई के तीनों नेताओं को ले गई।

इसका पता चलते ही हिमाचल पुलिस ने फिर उन्हें रोक लिया। इसके बाद तीनों नेताओं को कोर्ट में पेश कर दिल्ली पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड लिया। करीब 18 घंटे तक दिल्ली और हिमाचल पुलिस के बीच ड्रामा चलता रहा। फिर गुरुवार सुबह करीब पौने 6 बजे दिल्ली पुलिस तीनों नेताओं को लेकर चली गई।

❐ एआई समिट में अर्धनग्न प्रदर्शन किया था

दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर AI समिट के दौरान शर्टलेस होकर PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे। सीएम के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी से पहले प्रोटोकॉल को फॉलो नहीं किया। गिरफ्तारी का कोई वारंट नहीं दिखाया और किचन के रास्ते पुलिस रिसॉर्ट में घुसी। यह कार्रवाई सरासर गलत है।

राजस्थान में 12000 किलो बारूद से दहल उठेगा पाकिस्तान बॉर्डर, 77 फाइटर जेट दिखाएंगे ताकत

एजेंसी, जैसलमेर

पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज (जैसलमेर) में भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'वायु शक्ति-2026' कल (27 फरवरी) होगा। युद्धाभ्यास में सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु भी मौजूद रहेंगी। वे 2 दिवसीय (26 और 27 फरवरी) जैसलमेर दौरे पर हैं। तय शेड्यूल के अनुसार- राष्ट्रपति 27 फरवरी को कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (LCH) 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी। इस दौरान वे युद्धाभ्यास क्षेत्र का हवाई मुआयना करेंगी। यह पहली बार होगा, जब राष्ट्रपति जैसलमेर की सीमावर्ती एयरस्पेस में किसी लड़ाकू हेलिकॉप्टर की सह-पायलट बनेंगी। इसके बाद वे वायुसेना स्टेशन पर अधिकारियों और जांबाजों के साथ संवाद कर उनका हौसला बढ़ाएंगी। गुरुवार शाम को राष्ट्रपति पोकरण रेंज पहुंचेंगी, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में 'वायु शक्ति' युद्धाभ्यास की शुरुआत होगी। इस दौरान आसमान से बरसती आग और सटीक निशानों के जरिए वायुसेना अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

आसमान से बरसेगी स्वदेशी मारक क्षमता: 'वायु शक्ति-2026' में प्रचंड के अलावा राफेल, सुखोई-30 MKI और अपाचे जैसे विमान भी अपनी ताकत दिखाएंगे। राष्ट्रपति की इस यात्रा को सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जैसलमेर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चांधन से लेकर पोकरण तक पूरे इलाके को 'नो फ्लाई जोन' घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का भारतीय वायुसेना के विमानों से पुराना और गहरा नाता रहा है। वे न केवल सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर हैं, बल्कि उन्होंने खुद फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स में उड़ान भरकर देश के जवानों का हौसला बढ़ाया है।

♦ राष्ट्रपति मुर्मु पहली बार लड़ाकू हेलिकॉप्टर में भरेंगी उड़ान

सुखोई और राफेल में भर चुकी हैं उड़ान: राष्ट्रपति मुर्मु ने 29 अक्टूबर, 2025 को अंबाला स्थित 'गोल्डन एरोज' स्क्वॉड्रन के राफेल विमान में उड़ान भरकर एक नया इतिहास रचा था। वे दो अलग-अलग लड़ाकू विमानों (सुखोई और राफेल) में उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनीं। करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर लगभग 700 किमी/घंटा की रफ्तार से उन्होंने राफेल की ताकत को महसूस किया था। राष्ट्रपति मुर्मु ने असम के तेजपुर बेस से 8 अप्रैल 2023 को सुखोई-30 MKI में करीब 30 मिनट की उड़ान भरी थी। उन्होंने हिमालय की चोटियों और ब्रह्मपुत्र घाटी के ऊपर से गुजरते हुए विमान की मारक क्षमता और वायुसेना की तैयारियों का जायजा लिया था। वे सुखोई में उड़ान भरने वाली देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति बनीं थीं। इससे पहले प्रतिभा पाटिल उड़ान भर चुकी हैं।

सूरत की आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील कंपनी में हंगामा

एजेंसी, सूरत

गुजरात के सूरत में हजीरा स्थित आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील कंपनी में गुरुवार सुबह हंगामा हो गया। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतरे कर्मचारी अचानक बिफर गए। उन्होंने 10 से ज्यादा गाड़ियों में आग लगा दी। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया, जिसमें महिला डीएसपी घायल हो गईं। वेतन वृद्धि की मांग लेकर 5000 कर्मचारियों ने काम रोका कंपनी के बन रहे नए प्लांट में आज सुबह 5000 से ज्यादा कर्मचारी अचानक काम छोड़कर हड़ताल पर चले गए। हड़ताल की मुख्य वजह काम के घंटों में हुई बढ़ोतरी को कम करने और वेतन वृद्धि है। शुरुआत में हड़ताल शांति से हो रही थी। लेकिन अचानक कुछ कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्लांट में भारी पुलिस बल तैनात घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल का एक बड़ी टुकड़ी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश की। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने 40 से अधिक आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस ने हिंसा में शामिल करीब 25 मजदूरों को हिरासत में लिया है। फिलहाल, कारखाने में कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है और स्थिति को शांत करने के लिए कंपनी अधिकारियों और कर्मचारी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत की कोशिश जारी है। एल एंड टी इस बारे में लार्सन एंड टुब्रो ने एक बयान जारी करते हुए कहा- गुजरात सरकार द्वारा श्रम संहिता की अधिसूचना लागू होते ही, हम इसके सभी नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू करेंगे।

9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

एजेंसी, नागौर

राजस्थान के नागौर के प्राइवेट स्कूल में 9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह ग्राउंड में खेलते समय गिर गई थी। स्कूल स्टाफ उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना नागौर के गोटन कस्बे के गोटन इंटरनेशनल स्कूल में 23 फरवरी की सुबह करीब 7.48 बजे हुई थी। इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है। छात्रा के बड़े भाई की भी 4 महीने पहले ऐसे ही हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। स्कूल डायरेक्टर रामकुंवार ओला ने बताया- तालनपुर के रहने वाले राजेंद्र बापेडिया की बेटी दिव्या पांचवीं क्लास की स्टूडेंट थी। सामान्य दिनों की तरह 23 फरवरी की सुबह भी स्कूल आई थी। प्रेयर (प्रार्थना) होने में अभी समय था। इस दौरान कुछ बच्चे ग्राउंड में खेल रहे थे। इसमें दिव्या भी शामिल थी। खेलते समय अचानक दिव्या बेहोश होकर गिर पड़ी।

ओला ने बताया कि इससे अफरा-तफरी मच गई। परिवार वालों को सूचना देने के साथ ही स्कूल स्टाफ ने दिव्या को संभाला। बिना देर किए गोटन के राजकीय हॉस्पिटल पहुंचाया गया। तब तक उसकी जान जा चुकी थी।

दिल्ली हाईकोर्ट का सैनिकों के हक में फैसला

कहा- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर बताकर दिव्यांगता पेंशन नहीं रोक सकते, सैन्य सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन को सिर्फ यह कहकर नहीं रोका जा सकता कि बीमारी 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डर' है या वह पीस एरिया में तैनाती के दौरान हुई। हाई कोर्ट ने कहा कि गैर-ऑपरेशनल क्षेत्रों में भी सैन्य सेवा तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। बता दें कि सेना में 'पीस पोस्टिंग' का मतलब है कि सैनिक या अधिकारी की पोस्टिंग बॉर्डर पर नहीं बल्कि शांत और सुरक्षित शहरों या छावनियों में होती है। जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की

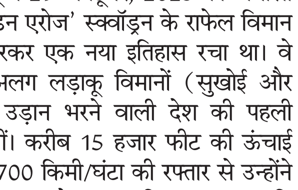

डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (AFT) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। वे हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं।

कोर्ट बोला- बीमारी को सिर्फ लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहना गलत: कोर्ट ने साफ कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का सेवा परिस्थितियों से संबंध है। इस केस में रिलीज मेडिकल बोर्ड यह ठीक से नहीं बता सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं या सेवा के कारण नहीं बढ़ीं। कोर्ट ने साफ कहा कि बिना किसी ठोस वजह के बीमारी को सिर्फ 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डर' कहना कानूनन सही नहीं है। कोर्ट ने यह भी बताया कि मेडिकल बोर्ड ने खुद माना था कि यह बीमारी अधिकारी की किसी लापरवाही या गलत आदतों की वजह से नहीं हुई। कोर्ट ने मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क भी खारिज कर दिए, क्योंकि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था। सिर्फ वजन ज्यादा होना, हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग को खुद से पैदा हुई बीमारी साबित नहीं करता। कोर्ट ने यह भी कहा कि AFT ने बिना मेडिकल सबूत के वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकाले। कोर्ट ने हृदय रोग को लेकर मेडिकल बोर्ड की दलीलों को भी कमजोर बताया और कहा कि बीमारी को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना तर्कसंगत नहीं है। याचिकाकर्ता रिटायर्ड अफसर ने भारतीय वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी थी। ज्वाइनिंग के समय वह मेडिकल रूप से फिट थे। 1999 में उन्हें हाइपरटेंशन हुआ और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज के कारण ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50% आंकी गई थी, फिर भी पेंशन से वंचित कर दिया गया।

एनसीईआरटी कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक और न्यायपालिका की आति सख़्ती- जवाबदेही, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रश्न-अगली सुनवाई 11 मार्च 2026 -एक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» एनसीईआरटी कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक-क्या बच्चों को संस्थागत कमियों के बारे में बताना पारदर्शिता है या संस्थागत अविश्वास का बीजारोपण?

» एनसीईआरटी की कक्षा 8 की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार अध्याय ने जवाबदेही, संस्थागत गरिमा,किशोर मनोविज्ञान और डिजिटल युग की चुनौतियों पर एक व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत में दशकों से मलाईदार मंत्रालय और मलाईदार पद मलाईदार एरिया जैसे शब्द राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। संसद से लेकर विधानसभा विधान परिषद और पंचायत समिति के चुनाव तक में हमेशा ऐसा सुनने में मिलता है जिससे आम जनमानस में यह धारणा गहरी है कि सरकारी ठेकों से लेकर राजस्व कार्यालयों तक,भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक समस्या के रूप में मौजूद है। चुनावी मंचों पर 40-50 प्रतिशत कमीशन की चर्चाएँ,पटवारी से लेकर उच्च अधिकारियों तक चाय-पानी के बिना काम न होने की शिकायतें,ये सब सार्वजनिक संवाद का हिस्सा रहे हैं। ऐसे वातावरण में जब कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से अध्याय जोड़ा गया,तो बहस का स्वर अचानक तीखा हो गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि अब प्रश्न यह उठाता है कि यदि भ्रष्टाचार एक व्यापक सामाजिक -प्रशासनिक समस्या है, तो पाठ्यपुस्तक में केवल न्यायपालिका का ही उल्लेख क्यों? क्या यह चयनात्मक प्रस्तुति है?क्या यह संस्थागत संतुलन के विरुद्ध है?और सबसे महत्वपूर्ण,इसकी जवाबदेही किसकी है? इस अध्याय पर आपत्ति जताते हुए वरिष्ठ नेता कपिल सिबल ने सार्वजनिक रूप से प्रश्न उठाया कि यदि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का उल्लेख किया जा सकता है, तो फिर राजनेताओं,मंत्रियों, लोकसेवकों और जांच एजेंसियों का नाम क्यों नहीं? उनका तर्क यह था कि भ्रष्टाचार किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है; यह एक व्यापक प्रशासनिक- सामाजिक समस्या है। इसलिए यदि शैक्षणिक ईमानदारी के नाम पर किसी एक स्तंभ का उल्लेख हो,तो अन्य स्तंभों का भी समान रूप से संदर्भ होना चाहिए। इस कथन ने बहस को संस्थागत मर्यादा बनाम पारदर्शिता के प्रश्न में बदल दिया। क्या बच्चों को संस्थागत कमियों के बारे में बताना पारदर्शिता है या संस्थागत अविश्वास का बीजारोपण?मामले ने तब गंभीर रूप लिया जब भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने स्वतःसंज्ञान लेकर सुनवाई प्रारंभ की।प्रधानन्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसे अत्यंत गंभीर माना और कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का संवैधानिक स्तंभ है; यदि पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से यह संदेश जाए कि यह स्तंभ ही संदिग्ध है, तो उसके दूरगामी परिणाम होंगे। न्यायालय ने एनसीईआरटी निदेशक और शिक्षा सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया तथा स्पष्ट किया कि केवल माफी पर्याप्त नहीं होगी;जवाबदेही तय करनी होगी। न्यायालय की टिप्पणी क्रि यह न्यायपालिका पर पहली गोली चलाने जैसा है,संकेत देती है कि अदालत ने इसे संस्थागत गरिमा पर प्रत्यक्ष प्रहार के रूप में देखा। न्यायालय ने यह भी प्रश्न उठाया कि जब पुस्तक बाजार और डिजिटल मंचों पर उपलब्ध है,तो बाद में उसे वापस लेना कितनी प्रभावी कार्यवाही होगी। डिजिटल युग में सामग्री एक बार प्रसारित हो जाने के बाद उसे पूर्णतःहटाना लगभग असंभव होता है।इसलिए अदालत ने निर्देश दिया कि हार्ड कॉपी और डिजिटल दोनों स्वरूपों को तत्काल हटाया जाए तथा समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथियों बात अगर हम शैक्षणिक प्रक्रिया और निर्णय की संरचना इसको समझने की करें तो,एनसीईआरटी की आंतरिक प्रक्रिया के अनुसार पाठ्यपुस्तक समिति के सदस्य प्रस्तावों की समीक्षा करते हैं,चर्चा करते हैं,और अंततः अंतिम स्वीकृति निदेशक के स्तर पर होती है। समिति सुझाव देती है,पर अंतिम निर्णय निदेशक के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में प्रश्न उठता है,क्या इसअध्याय को शामिल करते समय पर्याप्त विमर्श हुआ क्या कानूनी सलाह ली गई? क्या सामग्री की भाषा

और प्रस्तुति संतुलित थी? यदि नहीं,तो यह संस्थागत प्रक्रिया में किस स्तर की चूक है एनसीईआरटी ने बाद में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वह न्यायपालिका का सम्मान करता है और यह सामग्री अनजाने में हुई गलती थी। उसने अध्याय को पुनर्लेखन और हटाने का निर्णय भी घोषित किया। किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल खेद प्रकट करना पर्याप्त नहीं;जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करनाअत्यंत आवश्यक है। साथियों बात अगर हम किशोर मनोविज्ञान और संस्थागत विश्वास इसको समझने की करें तो यह बहस केवल संवैधानिक या राजनीतिक नहीं है; इसका मनोवैज्ञानिक आयाम भी गहरा है।कक्षा 8 के विद्यार्थी प्रायः 13-14 वर्ष की आयु के होते हैं,एक ऐसी अवस्था जहाँ बौद्धिक जिज्ञासा प्रबल होती है,परंतु विश्लेषणात्मक संतुलन अभी विकसित हो रहा होता है। डिजिटल युग में सूचनाओं की बाढ़,सोशल मीडिया की त्वरित प्रतिक्रियाएँ और प्रतिस्पर्धात्मक दबाव उनके मानसिक संसार को प्रभावित करते हैं। यदि उन्हें बिना संदर्भ,बिना संतुलित विवेचन के यह बताया जाए कि न्यायपालिका भ्रष्ट है या वहां पेंडिंग केसों की संख्या बहुत अधिक है , तो यह संदेश संस्थागत अविश्वास के रूप में ग्रहण हो सकता है।हाल ही में दिल्ली के तिलक नगर में नाबालिगों द्वारा एक किशोर की हत्या की घटना ने समाज को झकझोर दिया। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों में भी किशोर अपराधों में वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मत है कि हिंसक डिजिटल सामग्री, संवाद की कमी और भावनात्मक असंतुलन इसके कारण हैं। ऐसे वातावरण में यदि शैक्षणिक सामग्री संस्थाओं के प्रति अविश्वास को पुष्ट करे, तो यह सामाजिक संरचना पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। न्यायपालिका, जो अंतिम न्याय का प्रतीक है,यदि छात्रों के मन में संदिग्ध बने, तो लोकतांत्रिक आस्था कमजोर हो सकती है। साथियों बात अगर हम पारदर्शिता बनाम संस्थागत गरिमा इसको समझने की करें तो, यहाँ मूल प्रश्न है,क्या छात्रों को संस्थागत कमियों के बारे में पढ़ाना गलत है? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नागरिक शिक्षा में संस्थागत आलोचना का स्थान होता है।अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के कई देशों में पाठ्यक्रम में न्यायिक त्रुटियों, ऐतिहासिक गलत निर्णयों और सुधार आंदोलनों का उल्लेख होता है। परंतु वहाँ प्रस्तुति संतुलित होती है,समस्या के साथ सुधार की प्रक्रिया,जवाबदेही की व्यवस्था और संस्थागत आत्म-सुधार की क्षमता को भी रेखांकित किया जाता है। यदि किसी अध्याय में केवल न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक हो और संदर्भ, उदाहरण सुधारात्मक तंत्र, न्यायिक सक्रियता,पारदर्शिता उपायों का उल्लेख न हो, तो यह एकतरफा चित्र प्रस्तुत कर सकता है। यही वह बिंदु है जहाँ आलोचना और संस्थागत गरिमा का संतुलन आवश्यक है। साथियों बात अगर हम जवाबदेही का दायरा इसको समझने की करें,सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया कि जिम्मेदारी तय होगी।प्रश्न यह है कि क्या यह केवल संपादकीय त्रुटि है या नीति-स्तर का निर्णय? यदि समिति ने सुझाव दिया और निदेशक ने स्वीकृति दी, तो क्या मंत्रालय स्तर पर भी समीक्षा हुई? क्या कानूनी परामर्श लिया गया?क्या विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों मनोवैज्ञानिकों संवैधानिक विद्वानों,से राय ली गई?लोकतंत्र मेंजवाबदेही बहुस्तरीय होती है। यदि पाठ्यपुस्तक में त्रुटि है,तो उसे सुधारना आवश्यक है; परंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी संवेदनशील विषयवस्तु संतुलित, तथ्यात्मक और संदर्भयुक्त होन्यायपालिका की प्रतिक्रिया और संस्थागत संदेश प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी कि हम तब तक शांत नहीं बैठेंगे जब तक संतुष्ट नहीं हो जाते इस बात का संकेत है कि न्यायपालिका अपनी संस्थागत साख को लेकर सजग है। अदालत ने अवमानना की संभावना भी जताई। यह संदेश केवल एनसीईआरटी को नहीं, बल्कि व्यापक शैक्षणिक तंत्र को भी है कि संवैधानिक संस्थाओं के चित्रण में सावधानी अनिवार्य है। साथियों बात अगर हम डिजिटल युग की चुनौती को समझने की करें तो, आज सामग्री केवल कागज पर नहीं रहती; वह सोशल मीडिया, पीडीएफ, ब्लॉग और वीडियो के माध्यम से अनंत रूपों में फैलती है। ऐसे में किसी अध्याय को "वापस लेना" प्रतीकात्मक हो सकता है, पर पूर्ण नियंत्रण असंभव है।अतः समाधान केवल हटाने में नहीं, बल्कि सही संदर्भ और संतुलन प्रदान करने में है।आगे का मार्ग इस विवाद से तीन प्रमुख सबक उभरते हैं। पहला, शैक्षणिक सामग्री में संवैधानिक संस्थाओं का चित्रण संतुलित,तथ्यपरक और सुधार-उन्मुख होना चाहिए। दूसरा, किशोर मनोविज्ञान को ध्यान में रखकर भाषा और प्रस्तुति तय होनी चाहिए। तीसरा, जवाबदेही स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए,चाहे वह समिति स्तर पर हो,निदेशक स्तर पर या मंत्रालय स्तर पर।भ्रष्टाचार पर विमर्श आवश्यक है; यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का संकेत है। परंतु विमर्श का स्वर ऐसा हो जो सुधार की दिशा दिखाए, न कि अविश्वास की दीवार खड़ी करे। यदि छात्रों को यह सिखाया जाए कि न्यायपालिका में चुनौतियाँ रही हैं, परंतु सुधार के तंत्र, पारदर्शिता उपाय और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता भी है, तो यह संतुलित शिक्षा होगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि एनसीईआरटी की कक्षा 8 की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार अध्याय ने एक व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया है जवाबदेही,संस्थागत गरिमा, किशोर मनोविज्ञान और डिजिटल युग की चुनौतियों पर। सुप्रीम कोर्ट का स्वतः संज्ञान यह दर्शाता है कि संवैधानिक संस्थाएँ अपनी प्रतिष्ठा को लेकर सजग हैं। राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ यह संकेत देती हैं कि भ्रष्टाचार का प्रश्न बहु- आयामी है। अंततः यह प्रकरण केवल एक अध्याय का नहीं, बल्कि उस संतुलन का है जो लोकतंत्र में आलोचना और सम्मान के बीच होना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य प्रश्न पूछना सिखाना है,पर साथ हीसंस्थागत विश्वास और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करना भी है। यदि इस विवाद से भविष्य में अधिक परिपक्व, संतुलित और उत्तरदायी शैक्षणिक नीति विकसित होती है, तो यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक परिणाम

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

एआई से परहेज करेंगे तो पिछड़ेंगे, उपयोग सीखेंगे तो जीतेंगे

लेखक - दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एक ऐसा शब्द बन गया है जो चर्चा में तो बहुत है, लेकिन इसे लेकर आम आदमी के मन में डर और उत्साह दोनों हैं। सरल भाषा में कहें तो एआई एक ऐसी दिमागी मशीन है जिसे इंसान ने बनाया है ताकि वह मशीनों को इंसान की तरह सोचने, समझने और काम करने की ताकत दे सके। जैसे सदियों पहले पहिए ने इंसान की गति बदली और फिर ट्रैक्टर ने खेतों में बैलों की जगह ली, वैसे ही एआई अब हमारे सोचने और काम करने के ढंग को पूरी तरह बदल रहा है। अब सवाल यह उठता है कि क्या यह जादुई मशीन हमारे लिए वरदान साबित होगी, या यह एक ऐसा अभिशाप है जो हमें पीछे धकेल देगा? अगर हम फायदे की बात करें, तो एआई एक बहुत बड़ा वरदान बनकर उभरा है। एक आम मजदूर, कारीगर या किसान के लिए यह किसी सच्चे और जानकार साथी जैसा है। मान लीजिए, कोई किसान अपनी फसल की फोटो मोबाइल से खींचता है, तो एआई तकनीक उसे तुरंत बता सकती है कि फसल में कौन सी बीमारी लगी है और कौन सी दवा छिड़कनी चाहिए। जो भाई-बहन पढ़-लिख नहीं सकते, वे अब मोबाइल से अपनी भाषा में बात करके सरकारी योजनाओं, पेंशन या राशन कार्ड की जानकारी ले सकते हैं। उन्हें अब किसी बिचौलिए के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अस्पतालों में एआई के जरिए कैंसर और दिल की बीमारियों का पता बहुत जल्दी चल रहा है, जिससे इलाज सस्ता और सटीक हो गया है। कारखानों में खतरनाक मशीनों के बीच काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा के लिए एआई एक ढाल की तरह है; यह मशीन की खराबी को पहले ही पकड़ लेता है, जिससे बड़े हादसों को रोका जा सकता है। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू भी है जो इसे एक अभिशाप की तरह दिखाता है। आम आदमी के मन में सबसे बड़ा डर बेरोजगारी का है। जहाँ पहले दस आदमी मिलकर कोई काम करते थे, वहाँ अब एक एआई वाली मशीन उसे अकेले और बहुत तेजी से निपटा रही है। इससे उन लोगों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है जो केवल शारीरिक श्रम पर निर्भर हैं। इसके अलावा, एआई के जरिए आजकल डीपफेक जैसी धोखाधड़ी हो रही है, जिसमें किसी की भी नकली आवाज या चेहरा बनाकर लोगों को ठगा जा रहा है। यह तकनीक हमें मानसिक रूप से आलसी भी बना सकती है, क्योंकि हम हर छोटे-बड़े सवाल के जवाब के लिए मशीन पर निर्भर होने लगे हैं। अगर हम अपनी सोचने-समझने की शक्ति मशीनों को सौंप देंगे, तो हमारी खुद की बुद्धि कुंद हो सकती है। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इस नई तकनीक से परहेज करके या डरकर दूर नहीं भाग सकते। इतिहास गवाह है कि जब देश में पहली बार कंप्यूटर आया था, तब भी बहुत शोर मचा था कि यह करोड़ों लोगों का रोजगार खा जाएगा। लेकिन वक्त ने दिखाया कि कंप्यूटर ने काम को छीना नहीं, बल्कि करोड़ों नए तरह के रोजगार पैदा किए। एआई के साथ भी यही होने वाला है। जो लोग यह सोचकर इससे दूरी बना लेंगे कि यह उनके काम का नहीं है, वे वक्त की दौड़ में बहुत पीछे छूट जाएंगे। दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है, और अगर हम इस बदलाव के साथ नहीं चले, तो हमारी मेहनत और हमारी काबिलियत पुरानी पड़ जाएगी। अब समय आ गया है कि हम खुद को इस बदलाव के सांचे में ढालें और इसका सदुपयोग सीखें। हमें यह समझना होगा कि एआई हमारा दुश्मन नहीं, बल्कि एक आधुनिक औजार है। जैसे हाथ से लकड़ी काटने के बजाय आरा मशीन का इस्तेमाल करना बुद्धिमानी है, वैसे ही दिमाग के बोझ को कम करने के लिए एआई का सहारा लेना जरूरी है। हमें अपनी नई पीढ़ी को इस तकनीक के प्रति तैयार करना होगा। एआई का सही इस्तेमाल सीखकर एक मजदूर अपनी कार्यक्षमता बढ़ा सकता है और एक छोटा दुकानदार अपने व्यापार को बड़ा बना सकता है। अंत में, यह बात गांठ बांध लेनी चाहिए कि एआई अपने आप में न तो अच्छा है और न ही बुरा। यह ठीक आग की तरह है। आग से चूल्हा जलता है जिससे घर में खुशहाली आती है, और उसी आग से घर जल भी सकता है। सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि आग किसके हाथ में है और वह उसका इस्तेमाल कैसे करता है। हमें एआई को अपना गुलाम बनाकर रखना है, उसे अपना मालिक नहीं बनने देना है। अगर हम जागरूक रहेंगे और इसे अपनी भलाई के लिए इस्तेमाल करेंगे, तो यह मानव सभ्यता के लिए अब तक का सबसे बड़ा वरदान साबित होगा।

आईआईसीटी की संरचना,और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के

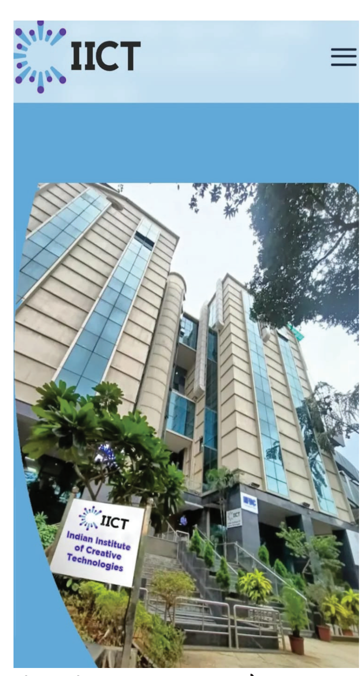

उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग- उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,एआर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR) आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं।इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है।आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है।यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है।सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में सहायक होगा।समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है। अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

ताज की छाया में संस्कृति का विराट उत्सव है ताज महोत्सव

लेखक- योगेश कुमार गोयल

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरमः परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है। सन् 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है। यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं। कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं। भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है।

आज न्यूजीलैंड की निगाह सेमीफाइनल पर

● टी-20 वर्ल्ड कप : स्पिनरों के सामने होगी इंग्लैंड की परीक्षा

कोलंबो (एजेंसी)। अपने स्पिनरों के दम पर पिछले मैच में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने वाला न्यूजीलैंड शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका है लेकिन यह मैच उसके लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का भी फैसला होगा।

श्रीलंका के खिलाफ 61 रन की बड़ी जीत से न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के करीब पहुंच गया है क्योंकि इससे उसका नेट रन रेट अच्छा हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट प्लस 3.050 है और उसे अगले मैच में बस यह सुनिश्चित करना है कि अगर वह इंग्लैंड से पराजित हो भी जाता है तो हार का अंतर न्यूनतम हो। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। उसे नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए कीवी टीम की करारी हार के लिए दुआ करनी होगी और साथ ही सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना होगा। लेकिन न्यूजीलैंड ने यह साबित कर दिया है कि वह श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ खेलने में सहज था जिसके दम पर उसने बड़े अंतर से जीत हासिल की।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाने वाले कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसे स्पिनरों के सामने सहज प्रदर्शन किया। लेकिन अब उनके सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती है, जिसके स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स

और कोल मैककॉन्ची पाल्लेकल की तुलना में प्रेमदासा स्टेडियम की अधिक चिपचिपी पिच पर बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन अनुभवी जोस बटलर को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्होंने अब तक टूर्नामेंट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। बटलर की अच्छी शुरुआत से इंग्लैंड निश्चित रूप से बेहतर स्थिति में आ जाएगा। दूसरी ओर जैक्स की ऑफ स्पिन और लियाम डॉसन की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी भी उतनी ही चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

टीमें

- **इंग्लैंड** = हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड
- **न्यूजीलैंड** = मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

समय - शाम 7 बजे।

मुकेश अंबानी के घर से शुरू हुई अर्जुन की प्री-वेडिंग सेरेमनी, सचिन ने दी इमोशनल स्पीच

मुंबई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन की शादी 5 मार्च को है। पिछले साल अर्जुन की सगाई सोनिया चंडोक से हुई थी। दोनों की शादी के कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी और अर्जुन-सानिया के साथ अंबानी परिवार के साथ शादी का जश्न मनाने के लिए जामनगर पहुंची। इस मौके का एक वीडियो मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया।

मुकेश अंबानी के घर पूजा हुई- तेंदुलकर परिवार ने वहीं पूजा के साथ सेलिब्रेशन शुरू किया, जिस जगह पर अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट ने शादी की थी। इस मौके पर सचिन का पूरा परिवार मौजूद था। इसके साथ ही सानिया चंडोक का परिवार भी मुकेश अंबानी के यहां पहुंचा था। नीता अंबानी ने वीडियो में कहा, हम यहां उसी जगह पर इकट्ठा हुए हैं जहां दो साल पहले अनंत और राधिका ने शादी की थी। सचिन और अंजलि आप हमेशा से हमारे परिवार की तरह रहे हो और आज तुम्हारी खुशी में शामिल होकर हमारा दिल भर आया है। मेरे प्यारे अर्जुन, मैंने तुम्हें हमारे स्कूल में एक छोटे लड़के से लेकर अब यहां खड़े होकर, अपनी जिंदगी की सबसे खूबसूरत पार्टनरशिप शुरू करने के लिए तैयार होते देखा है।

अर्जुन मुझे तुम पर गर्व है

सचिन तेंदुलकर ने इस मौके पर अंबानी परिवार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- हम इस कपल को आगे के सफर के लिए आशीर्वाद देने के लिए इससे बेहतर जगह और बेहतर लोग नहीं चुन सकते थे। हमें यहां बुलाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके साथ ही सचिन ने अर्जुन तेंदुलकर और सानिया के प्यार पर भी बात रखी। उन्होंने कहा- जब बेटा किसी लड़की को घर लेके आता है, इंट्रोड्यूस करने के लिए तो आपको पता चलता है कि बेटा बड़ा हो गया है। वे एक-दूसरे के प्यार में पागल लग रहे हैं। अर्जुन मुझे कहना होगा कि मुझे तुम पर बहुत गर्व है। तुम्हें कोई इतना खास मिला है जो तुमसे उतना ही प्यार करता है जितना तुम उससे करते हो।

मेजबान श्रीलंका टी-20 वर्ल्डकप से बाहर

न्यूजीलैंड ने 61 रन से हराया, रचिन रवींद्र को 4 विकेट, सैंटनर ने 47 रन बनाए

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंका टी-20 वर्ल्डकप से बाहर हो गया है। उसे बुधवार रात न्यूजीलैंड ने छठे सुपर-8 मैच में 61 रन से हराया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 168 रन बनाए।

169 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 107 रन ही बना सकी। रचिन रवींद्र प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सैंटनर-मैकॉन्ची की साझेदारी ने फाइटिंग स्कोर तक पहुंचाया- टॉस हारकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की टीम ने 84 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मैकॉन्ची (31 रन) ने 47 बॉल पर 84 रन की साझेदारी करके टीम को 160 पार पहुंचा दिया।

यह न्यूजीलैंड की ओर से 7वें विकेट के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी साझेदारी है। सैंटनर ने 26 बॉल पर 47 रन बनाए। जबकि मैकॉन्ची 31 रन बनाकर नाबाद लौटे। रचिन रवींद्र ने 32 रन बनाए।

हेनरी को पावरप्ले में दो विकेट, निसांका-असलंका को आउट किया- 169 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहली बॉल पर पिछले मैच के शतकवीर पथुम निसांका (जीरो) का विकेट गंवाया। उन्हें मैट हेनरी ने बोल्ड कर दिया।

मैट ने तीसरे ओवर की पहली बॉल पर चरिथ असलंका (5 रन) को कैच आउट कराके मेजबानों को बैकफुट पर धकेल दिया।

रचिन रवींद्र ने झटके थे 4 विकेट - मिडिल ओवर फेज में रचिन रवींद्र ने श्रीलंकाई टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दुषन हेमंथ (3 रन), दसुन शनाका (3 रन), कुसल मेंडिस (जीरो) और पवन रत्नायके (10 रन) के विकेट झटके। श्रीलंकाई टीम से कामिंडु मेंडिस ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। शेष बैटर्स खास प्रदर्शन नहीं कर सके।

सेमीफाइनल के लिए न्यूजीलैंड की उम्मीदें कायम- इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल के लिए अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं।

● रणजी ट्रॉफी फाइनल- जम्मू-कश्मीर का स्कोर 527/6

कप्तान डोगरा, वधावन-साहिल की फिफ्टी; डोगरा और अनीश में नोंक-झोंक

हुबली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। जम्मू-कश्मीर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। बुधवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक जम्मू-कश्मीर ने 6 विकेट खोकर 527 रन बना लिए हैं। साहिल लोत्रा 57 रन और आबिद मुश्ताक 20 रन पर नाबाद हैं। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए हैं।

सुबह 284/2 के स्कोर से आगे खेलने उतरी जम्मू-कश्मीर ने दो विकेट जल्दी गंवा दिए। पहले दिन के शतकवीर शुभम पुंदीर को विद्याधर पाटिल ने पवेलियन की राह दिखाई। शुभम 121 के स्कोर पर केवी अनीश को मिड विकेट पर कैच थमा बैठे। अगले ओवर में ही अब्दुल समद भी प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हो गए। विकेटकीपर कृतिक कृष्णा ने कैच पकड़ा। समद 61 रन बनाकर आउट हुए और टीम का स्कोर 303/2 से 307/4 हो गया।

- **कप्तान पारस-वधावन में शतकीय साझेदारी-** कप्तान पारस डोगरा और वधावन ने पारी संभाली। दोनों ने 5वें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करते हुए 110 रन जोड़े। इस दौरान कन्हैया वधावन ने अपनी फिफ्टी पूरी की।
- **कन्हैया वधावन ने 70 रनों की पारी खेली-** आखिरकार 417 रन के टीम स्कोर पर शिखर शेट्टी ने वधावन को राहुल के हाथों कैच आउट कराया। वधावन ने 70 रन की पारी में 9 चौके लगाए।
- **कप्तान डोगरा और साहिल लोत्रा की फिफ्टी-** कप्तान डोगरा और साहिल लोत्रा के बीच 6वें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी हुई। इस बीच कप्तान डोगरा ने फिफ्टी की। वह 70 रन बनाकर श्रेयस गोपाल की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।
- **साहिल-मुश्ताक ने टीम को 500 के पार पहुंचाया-** साहिल और आबिद मुश्ताक ने 7वें विकेट के लिए 56 रन जोड़ते हुए टीम का स्कोर 500 रन के पार पहुंचाय। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों नाबाद लौटे। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध ने 3 विकेट लिए हैं, जबकि श्रेयस गोपाल, विद्याधर पाटिल और शिखर शेट्टी को 1-1 विकेट मिले हैं।
- **पहले दिन शुभम पुंदीर ने शतक लगाया था-** पहले दिन जम्मू-कश्मीर के लिए शुभम पुंदीर ने शतक लगाया था। उन्होंने 121 रन की पारी खेली। उनके अलावा ओपनर यावर हसन ने 88 रन बनाए थे। पहले दिन टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाए थे।

व्यापार

लिबर्टी ने अपनी 83वीं नेशनल चैनल मीट में AW-26 कलेक्शन का भव्य लॉन्च, हिल्स एक्सक्लूसिव शोरूम्स और मेगा शोरूम्स विस्तार की घोषणा

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल । देश कीजानी-मानी शूज कंपनी लिबर्टी ने आज अपनी 83वीं नेशनल चैनल मीट के दौरान ऐ डबलू -26 (ऑटम-विंटर 2026) कलेक्शन का भव्य शुभारंभ किया। यह तीन दिवसीय आयोजन 25 से 27 फ़रवरी 2026 तक आयोजित किया गया जिसमें देशभर से चैनल पार्टनर्स की सक्रिय भागीदारी रही।इस अवसर पर कंपनी ने परिवार के प्रत्येक वर्ग—पुरुष, महिला और बच्चों—के लिए डिज़ाइन किए गए नवीनतम, आरामदायक और स्टाइलिश फुटवियर कलेक्शन को प्रस्तुत किया। ऐ डबलू -26 रेंज में प्रीमियम सामग्री, आधुनिक डिज़ाइन और बेहतर फिट के साथ टिकाऊपन पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि ग्राहकों को हर कदम पर स्टाइल और आराम दोनों का अनुभव मिल सके। इस अवसर पर कंपनी सी ओ ओ श्री रमन बंसल ने बताया कि मार्केट ट्रेंड्स और कस्टमर फीडबैक के आधार पर हिल्स, Leap7X, Lucy & Luke तथा AHA जैसी कोर कैटेगरीज पर विशेष फोकस किया जा रहा है, जो कुल बिक्री में 70% से अधिक योगदान देती हैं। यह सफलता चैनल पार्टनर्स के निरंतर सहयोग और विश्वास का परिणाम है।मीट के दौरान टेक्नोलॉजी के बारे में बताते हुए श्री मनोज वर्मा ने बताया कि टेक्नोलॉजी के अंतर्गत एक नई प्रीमियम रेंज पेश करने की भी जानकारी दी गई। लिबर्टी किफायती रेंज में पुरुष, महिला और बच्चों के लिए विशेष प्रीमियम विकल्प शामिल किए गए हैं। न्यूनतम एसकेयू प्लेसमेंट पर अतिरिक्त मार्जिन देने की योजना भी साझा की गई।श्री रमन बंसल ने बताया कि मेगा शोरूम्स और Healers एक्सक्लूसिव शोरूम्स का भी विस्तार कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न शहरों में न्यूनतम 2000 वर्ग फुट क्षेत्रफल के साथ नए मेगा शोरूम्स खोलने की योजना की घोषणा की। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान देशभर में 25 Healers

एक्सक्लूसिव शोरूम्स खोलने का लक्ष्य रखा गया है। इन शोरूम्स को आधुनिक, प्रीमियम और ग्राहक-अनुकूल अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, कम्पनी के हेड मार्केटिंग श्री रामनाथ वर्मा ने रिटेल शोरूम्स में लाइफस्टाइल परफ्यूम और बॉडी मिस्ट की शुरुआत की है, जिसे बाज़ार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। एक्सेसरीज़ की बेहतर डिस्प्ले और वैरायटी के माध्यम से बिक्री बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया।

कंपनी के COO, रमन बंसल ने कहा कि हम अपने चैनल पार्टनर्स के साथ मिलकर निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। AW-26 कलेक्शन, प्रीमियम रेंज और नए शोरूम्स की पहल न केवल ब्रांड को मज़बूत करेगी, बल्कि फुटवियर मार्केट में नए अवसर भी सृजित करेगी।कंपनी ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह विस्तार रणनीति ब्रांड की ग्रोथ जर्नी को और सशक्त बनाएगी तथा ग्राहकों को बेहतर विकल्प और अनुभव प्रदान करेगी।

पति-पत्नी का कमाल, छोटी सी शुरुआत आज 333 करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी एक ऐसे कपल की है जिसने अपने शौक को बड़े बिजनेस में बदल दिया है। इसका नाम है ब्लू टोकाई कॉफी रोस्टर्स। इसके फाउंडर मैट चितरंजन और नम्रता अस्थाना हैं। पति-पत्नी के बाद इसमें शिवम शाही भी जुड़े। ब्लू टोकाई की शुरुआत 2013 में हुई। यह भारत के बड़े स्पेशलिटी कॉफी ब्रांड में से एक है। पति-पत्नी जब अमेरिका से दिल्ली आकर बसे तो उन्हें भारत में हाई-क्वालिटी कॉफी की कमी दिखी। इसके बाद उन्होंने मामूली बचत से एक छोटा ताइवानी टेबलटॉप रोस्टर खरीदा। उसे नम्रता के माता-पिता के घर के एक एक्स्ट्रा बेडरूम में सेट अप किया। मकसद था भारतीय किसानों से सीधे हाई-क्वालिटी अरेबिका बीन्स लेना और उन्हें घरेलू कंज्यूमर्स के लिए रोस्ट करना। आज इसके देशभर में 150 से ज्यादा कैफे हैं। इसका रेवेन्यू 333 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आइए, यहां मैट चितरंजन और नम्रता अस्थाना की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मैट चितरंजन और नम्रता अस्थाना की कहानी कॉमन पैशन की है। यह घर के शौक से बढ़ते हुए एक मल्टी-चैनल एंटरप्राइज में बदल गया। इसने वित्त वर्ष 2024-25 में साल-दर-साल 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 332.7 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, 2023-24 में कंपनी का रेवेन्यू 221 करोड़ रुपये था। मैट चितरंजन, नम्रता अस्थाना और शिवम शाही ने 2013 में ब्लू टोकाई कॉफी रोस्टर्स की शुरुआत की थी। यह भारत के बड़े स्पेशलिटी कॉफी ब्रांड में से एक है। कंपनी प्रीमियम

इंडियन अरेबिका बीन्स की सोर्सिंग, रोस्टिंग और रिटेलिंग पर फोकस करती है। देशभर में इसके 150 से ज्यादा कैफे हैं। साथ ही जापान और दुबई में इंटरनेशनल मौजूदगी भी है।

बहुत छोटी थी शुरुआत: यह ब्रांड दिल्ली में नम्रता अस्थाना के माता-पिता के घर में एक खाली बेडरूम से शुरू हुआ था। इसकी शुरुआत एक छोटी रोस्टरी के तौर पर हुई थी। इसके फाउंडर्स का मकसद सीधे भारतीय किसानों से हाई-क्वालिटी अरेबिका बीन्स लेकर उन्हें घरेलू कंज्यूमर्स के लिए रोस्ट करना था। यह उस समय की बात है जब भारत की ज्यादातर प्रीमियम कॉफी एक्सपोर्ट की जाती थी। ब्लू टोकाई का मतलब मोर के पंख (टोकाई) होता है।

अलग-अलग स्किल आए काम

मैट चितरंजन (को-फाउंडर और सीईओ)- एनवाईयू से फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में बैकग्राउंड के साथ मैट बिजनेस को बढ़ाने के लिए जरूरी स्ट्रैटेजिक और ऑपरेशनल समझ लाए। कॉफी के लिए उनका शुरुआती जुनून कंपनी के प्रोडक्ट विजन और क्वालिटी के प्रति कमिटमेंट के पीछे ड्राइविंग फोर्स बन गया। नम्रता अस्थाना (को-फाउंडर)- साइकोलॉजी, डिजाइन और कम्युनिकेशन में नम्रता का बैकग्राउंड ब्रांड बनाने में अहम था। उन्होंने यूनिक कस्टमर एक्सपीरियंस बनाने और ब्रांड की ट्रांसपेरेंसी और क्वालिटी की वैल्यूज के आस-पास एक कम्युनिटी बनाने पर फोकस किया। उनकी डिजाइन की समझ ब्रांड के एस्थेटिक और कैफे के इंटीरियर में साफ दिखती है। शिवम शाही (को-फाउंडर और सीओओ)- शिवम एक इंजीनियर हैं। वह बाद में टीम में शामिल हुए। उन्होंने बिजनेस के जरूरी ऑपरेशनल पहलुओं की जिम्मेदारी संभाली।

पीएम किसान के पूरे हुए 7 साल, कब आएगी 22वीं किस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) ने 24 फरवरी 2026 को अपने 7 साल पूरे कर लिए। साल 2019 में शुरू हुई इस योजना का मकसद छोटे और सीमांत किसानों को सीधी आर्थिक मदद देना है। इसके तहत पात्र किसानों को हर साल 6,000 रुपये की राशि तीन बराबर किस्तों में दी जाती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, योजना शुरू होने के बाद से अब तक 3.9 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है। नवंबर 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर से 21वीं किस्त जारी की थी। उस दौरान 18,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में भेजी गई थी। इससे पहले अगस्त 2025 में जारी 20वीं किस्त का लाभ करीब 9.8 करोड़ किसानों को मिला था, जिनमें लगभग 2.4 करोड़ महिलाएं शामिल थीं। सरकार का कहना है कि इस योजना से किसानों को खेती के लिए जरूरी इनपुट खरीदने, फसल की देखभाल करने और साहूकारों पर निर्भरता कम करने में मदद मिली है। अब किसानों की नजर 22वीं किस्त पर टिकी है। फिलहाल 26 फरवरी 2026 तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की गई है। हालांकि, पिछली किस्त नवंबर 2025 में जारी हुई थी, ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि अगली 2,000 रुपये की किस्त मार्च 2026 के अंत तक जारी हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)